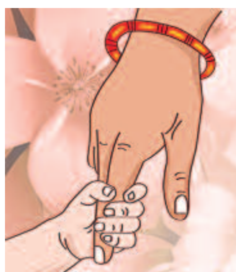

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी मदर्स-डे

haribhoomi.com रायपुर, रविवार 12 मई 2024

SB CENTRUM

High-End Living Along the High-way!

LUXURIOUS PLOTS & BUNGALOWS

14 Acres
Campus

240 Units
Plots

26 Villas
Ground + 1 floor

EXCLUSIVE BUNGALOW LAUNCH

DATE | 11TH-12TH MAY
TIME | 10 AM TO 7 PM

WORLD-CLASS AMENITIES

- Club House
- Swimming Pool
- Gymnasium
- Squash Court
- Tennis Court
- Recreational Gaming Zone
- Multi-purpose hall
- Reading Lounge & Multipurpose Hall
- Kids Play Area
- Gated Community Ensuring Personal Space & Exclusively
- Amphitheatre
- Senior citizen-friendly homes

RERA NO - PCGRERA190922001520; P3CGRERA300424000035

A Project by SA.BA INFRAVENTURES
Togetherness for generations

Address - SB Centrum, NH-53, Near Sai Mandir, Janjgiri, Charoda, Bhilai-3

www.sabainfraventures.com Call Us +91 7222945424, 7880087001

MEMBER OF CREDAI CHHATTISGARH

SCAN FOR MORE DETAILS

हरिभूमि रण भूमि लोकसभा
सत्ता संग्राम-2024

चौथे चरण में 10 राज्यों की 96 सीटों पर कल डाले जाएंगे वोट, थमा चुनावी शोर

देश में 18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में मतदान होना है। अब तक तीन चरण के मतदान हो चुके हैं। अब चौथे चरण में उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश समेत 10 राज्यों की 96 सीटों पर सोमवार यानी 13 मई को मतदान होना है। इस चरण का चुनाव प्रचार शनिवार की शाम से थम गया। चौथे चरण में यूपी की 13 लोकसभा सीटों पर भी मतदान होगा। कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर लगी है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मतदाता पांच केंद्रीय मंत्री, एक पूर्व मुख्यमंत्री, दो क्रिकेटर और एक अभिनेता समेत 1717 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे, जिसका परिणाम 4 जून को मतगणना के बाद आएगा।

आंध्र में 25 तो जम्मू में 1 सीट पर मतदान

2024 लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में यानी 13 मई को आंध्र प्रदेश की 25, उत्तर प्रदेश की 13, तेलंगाना की 17, महाराष्ट्र की 11, मध्यप्रदेश की आठ, पश्चिम बंगाल की आठ, बिहार की पांच, झारखंड की चार, ओडिशा की चार और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर वोट डाले जाएंगे।

95 लाख से अधिक मतदाता डालेंगे वोट

चौथे चरण में 95 लाख 83 हजार 662 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमान करेंगे. इसमें 50 लाख 49656 पुरुष, 45 लाख 33 हजार 813 महिला और 193 थर्ड जेंडर शामिल हैं। चुनाव आयोग ने चौथे चरण के मदतान के लिए कुल 9447 बूथ बनाये हैं। इसमें 7915 ग्रामीण क्षेत्र में जबकि 1532 शहरी क्षेत्र में हैं। वहीं 9447 में से 4810 बूथों को संवेदनशील बूथों की श्रेणी में रखा गया है।

95 लाख से अधिक मतदाता 1717 प्रत्याशियों की किस्मत का करेंगे फैसला

किस राज्य में किस सीट पर होगी वोटिंग

1- **उत्तर प्रदेश** : शाहजहांपुर, खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई, मिश्रिख, उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा, कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर और बहराइच लोकसभा सीट पर मतदान होना है।
2- **मध्यप्रदेश** : देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन और खंडवा।
3- **आंध्र प्रदेश** : अराकू, श्रीकाकुलम, विजयनगर, विशाखापट्टनम, अनकापल्ली, काकीनाडा, अमलापुरम, राजमुंद्री, नरसापुरम, एलुरु, मछलीपट्टनम, विजयवाड़ा, गुंटूर, नरसारावपेट, बापटला, ओंगोल, नंद्याल, कुरनूल, अनंतपुर, हिंदूपुर, कडप्पा, नेल्लोर, तिरूपति, राजमपेट और चित्तूर।
4- **महाराष्ट्र** : नंदुरबार, जलगांव, रावेर, जालना, औरंगाबाद, मावल, पुणे, शिरूर, अहमदनगर, शिरडी और बीड।
5- **बिहार** : दरभंगा, उजियारपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय और मुंगेर।
6- **ओडिशा** : कालाहांडी, नबरंगपुर, बेरहामपुर और कोरापुट।
7- **जम्मू कश्मीर**-श्रीनगर।
8- **झारखंड** : सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू।
9- **तेलंगाना** : आदिलाबाद, पेद्दापल्ली, करीमनगर, निजामाबाद, हैदराबाद, मेडक, मल्काजगीरी, सिकंदराबाद, हैदराबाद, चेवेल्ला, महबूबनगर, नगरकुरनूल, नलगोंडा, भोंगीर, वारंगल, महबुबाबाद और खम्मम।
10-**पश्चिम बंगाल** : बहरामपुर, कृष्णानगर, राणाघाट, बर्धमान पुरबा, बर्धमान - दुर्गापुर, आसनसोल, बोलपुर और बीरभूम।

सोशल मीडिया

हिमाचल प्रदेश में भाजपा चौका और छक्का लगाएगी: अनुराग ठाकुर

हमीरपुर/शिमला। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश की सभी चार लोकसभा सीट और छह विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव जीतकर चौका और छक्का लगाएगी। हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार ठाकुर ने कहा कि लोग केंद्र में भाजपा नीत सरकार के प्रदर्शन से खुश हैं और नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं। ठाकुर ने कहा, "हमने राम मंदिर का निर्माण किया। कांग्रेस कहती है कि वह मस्जिद बनायेगी।

नेकां कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहा जम्मू कश्मीर प्रशासन: अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर चुनाव जीत में भाजपा की मदद करने के लिए नेकां कार्यकर्ताओं को परेशान करने और लोगों में भय उत्पन्न करने का आरोप लगाया। अब्दुल्ला ने यहां शहर के हजरतबल इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पुलिस बुजुर्गों और युवाओं को बुला रही है और फिर उनसे कहती है कि वे हुर्रियत और अन्य लोगों के साथ हैं। वास्तव में, वे आपके बीच भय पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों से केवल ईश्वर से डरने को कहा।

विपक्षी गठबंधन सत्ता में आया तो फिर से लौट आएगा आतंकवाद का दौर : योगी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो देश में एक बार फिर आतंकवाद और नक्सलवाद का दौर शुरू हो जाएगा। योगी ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि संविधान संशोधन का डर फैलाने वाली कांग्रेस ने सबसे पहले भारतीय संविधान में संशोधन करते हुए अभिव्यक्ति की आजादी को रौंदने का कार्य किया था। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सपा के एजेंडे में अयोध्या का विकास नहीं, बल्कि अयोध्या में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेना था।उन्होंने यहां कानपुर से पार्टी प्रत्याशी रमेश अवस्थी और अकबरपुर से भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के लिए जनता से वोट की अपील की।

इंडी गठबंधन को पाकिस्तान की चिंता

उन्होंने कहा, "इंडी गठबंधन नकारात्मक राजनीति के कारण अपनी विश्वसनीयता खो रहा है। इनको पाकिस्तान के हितों की चिंता होती है। इनको आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या के समाधान की नहीं आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने की चिंता होती है। इनकी चिंता थी कि जैसे भी हो अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण न हो। मोदी जी ने देश को दुनिया में सम्मान दिलाया है। हमारी सीमाओं को सुरक्षित किया है। विकास को गति दी है। गरीब कल्याण के साथ ही नागरिकों के जीवन में परिवर्तन किया है।

अमेठी, रायबरेली में 'बड़े अंतर' से जीतेंगे : भूपेश बघेल

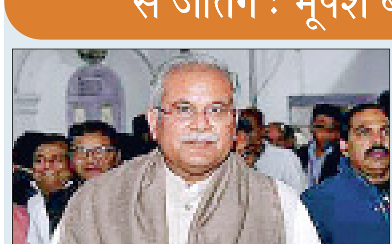

रायबरेली। कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नेता स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी का विरोध करके अपनी पहचान बनाई है लेकिन इस बार वह अमेठी में ऐसा नहीं कर पाएंगी और उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। बघेल ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अमेठी और रायबरेली दोनों सीटों पर 'बड़े अंतर' से जीत हासिल करेगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को इस बार पार्टी ने रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारा है और वह भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। गांधी परिवार के सहयोगी किशोरी लाल शर्मा अमेठी में स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। राहुल गांधी 2019 में अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव हार गए थे और ईरानी ने जीत दर्ज की थी।

शर्माजी का हर घर से आत्मीय नाता : किशोरी लाल शर्मा जी 40 वर्षों से अधिक समय से लोगों की सेवा कर रहे हैं। उनका भी हर घर से नाता रहा है।'

अमेठी-रायबरेली से गहरा संबंध

बघेल ने कहा कि दोनों सीटों से गांधी परिवार के घनिष्ठ संबंध रहे हैं पहले इंदिरा गांधी फिर संजय गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सभी ने इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में से किसी एक से चुनाव लड़ा है। बघेल ने एक साक्षात्कार में कहा,।"यहां के हर घर से उनके पारिवारिक रिश्ते हैं। रायबरेली से राहुल गांधी को उतारने का फैसला आलाकमान का था और हमारे नेता पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं। हम दोनों सीटों से लड़ रहे हैं।

ओडिशा : सियासी चक्रव्यूह में भाजपा और बीजद आमने-सामने, कांग्रेस भी मैदान में

ओडिशा में सत्तारूढ़ दल बीजू जनता दल के तिलिस्म को तोड़ने के लिए राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। ओडिशा की सियासत में दोस्ती करके कांग्रेस को पछाड़ने वाले बीजद व भाजपा में इस बार चुनावी गठबंधन परवान नहीं चढ़ सका है। इसलिए भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बीजद की दो तरफा घेराबंदी करके ऐसा सियासी चुनावी चक्रव्यूह रचा है, जिसका मकसद लोकसभा में अधिकांश सीटों पर जीत हासिल करने के साथ ही भाजपा विधानसभा चुनाव में भी बीजद को पटखनी देना है, लेकिन पिछले ढ़ाई दशक से सत्तारूढ़ बीजद का गढ़ बन चुके ओडिशा में किसी भी दल के लिए सियासी चुनौती देने की डगर आसान नहीं होगी?

ओपी पाल ▶▶| नई दिल्ली

सियासी गलियारों में चर्चा है कि बीजद भी प्रतिद्वंद्वी दलों के खिलाफ नई चुनावी रणनीति के साथ अपने सियासी वर्चस्व को बरकरार रखने के लिए मजबूती के साथ चुनावी जंग के मैदान हैं। ओडिशा के इस चुनाव में भाजपा और बीजद के साथ सीधा मुकाबला होने के आसार है, लेकिन कांग्रेस भी दो हजार के दशक से पहले की सियासी जमीन पर वापसी करने के इरादे इस चुनावी जंग को त्रिकोणीय बनाने का भरकस प्रयास कर रही है।

गठबंधन पर नहीं बनी बात अलग-अलग ठोंकी ताल

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को ओडिशा के पहले दौर के चुनाव में चार लोकसभा और 28 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इस बार यहां लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा व बीजद के बीच गठबंधन करके चुनाव मैदान में आने की कवायद चली, लेकिन ऐनवक्त पर शायद भाजपा के अनुसार सीटों पर बिगड़ी बात को लेकर इन दोनों का गठबंधन पटरी पर नहीं आ सका। इससे पहले 1998 से 2009 तक यानी चार बार लोकसभा चुनाव गठबंधन करके लड़े है, जिसका लाभ यहां से धीरे धीरे कांग्रेस का प्रभाव कम होता चला गया।

राज्य में 3,36,46,762 मतदाता

राज्य में कुल वोटरों की संख्या 3,36,46,762 है, जिनमें 1,70,39,900 पुरुष, 1,66,03,401 महिला तथा 31461 थर्डजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस चुनाव में 18-19 आयु वर्ग के 7,99,334 युवा मतदाता पहली बार वोटिंग करेंगे। इनके अलावा ओडिशा में 5.20 लाख दिव्यांग, तीन लाख 85 साल से अधिक आयु के बुजर्गों के अलावा सौ साल से अधिक आयु के नौ हजार मतदाता भी मतदान करेंगे।

ओडिशा में बीजू जनता दल का तिलिस्म तोड़ने राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा

कई दिग्गज नेता भाजपा में हुए शामिल

इसी वजह से भाजपा ने ओडिशा में बीजद को दोहरी चुनौती देने की चुनावी रणनीति का ताना बाना बुना, जिसमें बीजद के कदावर सांसद भृतहरि महताब समेत केई दिग्गज नेताओं को भाजपा में शामिल कर लिया और लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव में भी बीजद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

राष्ट्रीय स्तर पर बीजद मोदी की समर्थक : भाजपा और बीजद के बीच गठबंधन टूटने के बाद ओडिशा राजनीतिक विरोध के बावजूद नवीन पटनायक की बीजद राजग का हिस्सा न होते हुए भी संसद के भीतर और बाहर राष्ट्रीय मुद्दों पर भाजपा के लिए संकट मोचक के रुप में नजर आई।

चार चरणों में होगा चुनाव

पहला चरण (13 मई): कालाहांडी, नबरंगपुर, बेरहामपुर, कोरापुट लोकसभा के साथ 28 विधानसभा सीट।
दूसरा चरण (20 मई): बरगढ़, सुंदरगढ़, बोलांगीर, कंधमाल, अस्का लोकसभा के साथ में 35 विधानसभा सीट।
तीसरा चरण25 मई): संबलपुर, क्योंझर, ढेंकनाल, पुरी, भुवनेश्वर, कटक लोकसभा के साथ में 42 विधानसभा सीट।
चौथा चरण (01 जून): मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर लोकसभा के साथ में 42 विधानसभा सीट।

वर्ष 1998 में पहली बार मिले भाजपा और बीजद

ओडिशा राज्य की 21 लोकसभा सीटों के लिए बारहवीं लोकसभा के लिए 1998 में पहली बार भाजपा व बीजद ने मिलकर चुनाव लड़ा, जिसमें बीजद नौ व भाजपा सात सीटों पर जीतकर आया तो यहां से कांग्रेस का वर्चस्व कम होने लगा। इसके बाद दोनों दलों ने गठबंधन के साथ तीन और चुनाव लड़े और दोनों के सियासी जनाधार में सुधार आया, तो यह बीजद का गढ़ बन गया।

पहली बार 2014 में अलग-अलग लड़े

साल 2014 में पहली बार दोनों दलों ने अलग चुनाव लड़ा, तो बीजद का सबसे ज्यादा 20 सीटें मिली और बाकी एक सीट भाजपा के खाते में गई जबकि पिछले 2019 चुनाव में भाजपा ने आठ सीट जीतकर वापसी की और कांग्रेस को एक सीट पर संतोष करना पड़ा।

भूतकाल व वर्तमान में ओडिशा में दलीय स्थिति

इससे पहले ओडिशा के लोकसभा चुनावों में साल 1967,1977 और 1989 के चुनाव छोड़कर ज्यादातर चुनाव में कांग्रेस ही सिरमौर रही है, जिसे आखिरी बार 1996 के चुनाव में दहाई के अंक में सीटें मिली, लेकिन उसके इससे पहले चुनाव तक एक सीट पर आकर सिमट गई। फिलहाल ओडिशा में लोकसभा की 21 में बीजद 12, भाजपा आठ और कांग्रेस एक सीट पर काबिज है। जबकि विधानसभा की 147 सीटों में से बीजद के 112, भाजपा के 23 तथा कांग्रेस के नौ विधायक हैं।

ओडिशा में जातीय समीकरण

ओडिशा में 94 प्रतिशत आबादी हिंदू, जिसमें 40 प्रतिशत एससी और जनजातीय आबादी शामिल है। राज्य में 2 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और 3 प्रतिशत आबादी ईसाई आबादी है। यहां की सियासत पर 5 प्रतिशत ब्राह्मणों और पटनायकों यानी करण-कायस्थ का लंबे समय से सिक्का जमा हुआ है। ओडिशा में जाति या धर्म की सियासत के कोई मायने नहीं रखते।

'ये मरे लोग, देश के मन को भी मार रहे': पाकिस्तान बेचने निकला एटम बम

एजेंसी ▶▶| कंधमाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के कंधमाल में रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के सीनियर नेता मणिशंकर अय्यर के वायरल पुराने इंटरव्यू पर पलटवार किया।

पीएम ने कहा कि बार-बार कांग्रेस अपने ही देश को डराने की कोशिश करती है। वे कहते हैं संभल के चलो पाकिस्तान के पास एटम बम है। ये मरे पड़े लोग, देश के मन को भी मार रहे हैं। कांग्रेस का ऐसा ही रवैया है। वे पाकिस्तान के बम के बारे में बात करते हैं, लेकिन पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि उन्हें नहीं पता कि इसे कैसे रखा जाए और वे अपने बम बेचने के लिए खरीदार की तलाश में निकले हैं लेकिन कोई भी उन्हें खरीदना नहीं चाहता है क्योंकि लोग उसकी क्वालिटी के बारे में जानते हैं। माल भी नहीं बिक रहा है।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर मोदी का कांग्रेस पर तंज

आखिर कहां गईं जगन्नाथ मंदिर की चाबियां

पीएम मोदी ने कहा कि 7 दशक पहले श्रीजगन्नाथ मंदिर के प्रबंधन के लिए नियम बनाए गए थे। इनमें से एक नियम था कि मंदिर के सोना-चांदी, कीमती पत्थर और सारी चल अचल संपति का रिकॉर्ड मेंटेन किया जाएगा। इसके बाद श्री रत्न भंडार में रखे कीमती सामानों की सूची तैयार की गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि भंडार का आखिरी बार मूल्यांकन करीब 45 साल पहले किया गया था। लेकिन भंडार गृह की चाबियां पिछले 6 साल से लापता हैं। क्या आपको ये जानने का हक नहीं है कि चाबियां कहां गईं।

भावुक होकर बोलीं प्रियंका

अमेठी से हमारा खून का रिश्ता, कभी खत्म नहीं होगा, सांसद कोई भी बने

एजेंसी ▶▶| अमेठी

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने तेंदुआ में एक सभा में भावुक होते हुए कहा कि अमेठी से हमारा रिश्ता पाक है। प्रेम का है। सेवा और शहादत का है। खून का रिश्ता है। यह कभी नहीं टूटेगा।

कोई भी सांसद बने। कोई हमारे बारे में हजार झूठ बोल जाए। फिर भी यह रिश्ता नहीं टूटेगा। यह भूमि मेरे पिता की कर्मभूमि है। इसे मैं पूजती हूं। राहुल इसे पूजते हैं। यह हमारे लिए पवित्र भूमि है। तेंदुआ में कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के समर्थन में आयोजित सभा में करीब तीन घंटे की देरी से पहुंची प्रियंका गांधी हरेक मुद्दे पर बोलीं। प्रियंका ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में झूठ की राजनीति फैली है। नौटंकी की राजनीति है। प्रधानमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि दस साल में कितने को रोजगार दिया। महंगाई कितनी कम की। कितनी संस्थाएं खोली हैं। कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ एक परिवार के खिलाफ दिन रात बोलते हैं।

प्रियंका ने बयां किया दर्द

प्रियंका ने कहा कि एक दौर ऐसा आया, जब देश में एक नई राजनीति आई। जनता के जज्बातों से खेला जा रहा है। जमीन हड़पने को लेकर गांधी परिवार पर झूठे आरोप लगाने की बात कही। योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि कुछ ऐसा हुआ कि कुछ लोग बहक गए। राहुल चुनाव हार गए। इसके बाद यह रिश्ता कुछ दिन के लिए रूक गया लेकिन खत्म नहीं हुआ। कोविड को लेकर किए गए प्रयासों का जिक्र किया।

भाजपा की चुनावी रणनीति सत्तारूढ़ विपक्षी दलों के लिए बनी चुनौती

झारखंड: लोकसभा चुनाव में 'क्लीन स्वीप' करने को तैयार राजग

ओपी पाल ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर चार चरणों में होने वाले चुनाव के पहले दौर में 13 मई को चार सीटों पर मतदान कराया जाएगा। भाजपा ने इस बार राज्य में सभी लोकसभा सीटों पर जीत का लक्ष्य तय किया है। वहीं कांग्रेसनीत विपक्षी गठबंधन भी लोकसभा चुनाव में भाजपा को चुनौती देने के लिए अपना सियासी जाल बिछाया है। यहां राजग और विपक्षी गठबंधन के बीच ही मुख्य चुनावी मुकाबला होने के आसार है। राज्य में सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद के सामने भाजपा नीत राजग की चुनावी रणनीति को चुनौती देने को तैयार है।

मुख्य चुनावी जंग राजग व इंडी गठबंधन के बीच
झारखंड में लोकसभा चुनाव की जंग राजग और इंडिया गठबंधन के बीच ही होगी लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपानीत राजग झारखंड में क्लीन स्वीप करने की चुनावी रणनीति के साथ रणभूमि में पूरी ताकत झौंक रहा है जबकि राजग के मिशन को तोड़ने के लक्ष्य से विपक्षी गठबंधन में अपनी मजबूत रणनीति से चुनावी वैतरणी को पार करने में सभी दांव पेंच लगाने में पीछे नहीं है।

सभी सीटों पर राजग सहित अन्य दल के प्रत्याशी

लोकसभा चुनाव में राजग गठबंधन सभी 14 सीटों पर अपने उम्मीदवर उतारे हैं, जिनमें से 13 सीटों पर भाजपा और एक सीट पर उसकी सहयोगी दल ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन(आजसू) का प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। जबकि इंडिया गठबंधन से सात सीटों पर कांग्रेस, पांच पर झामुमो और एक-एक राजद और सीपीआई (एमएल) एल के प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे गये हैं।

क्या है जातीय समीकरण

झारखंड की सियासत में जातीय समीकरण अपना अलग ही महत्व रखता है। यहां सबसे ज्यादा 55 फीसदी आबादी ओबीसी है, जिसके बाद 28 फीसदी आदिवासी आबादी है, तो अनुसूचित जाति 16.33 फीसदी है। राज्य की आबादी में लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी इन्हीं दोनों की है। आदिवासी 27 प्रतिशत और कुर्मी 25 प्रतिशत हैं।

झारखंड की 14 सीटों पर हो रहा चुनाव

आदिवासी बाहुल्य 81 झारखंड लोकसभा की 14 सीटों पर ऐसे समय चुनाव हो रहे हैं, जहां सत्तारुढ़ दल झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भष्ट्राचार के मामले में पिछले तीन महीने से ज्यादा समय से जेल में हैं। हालांकि लोकसभा चुनाव के लिहाज से झारखंड में राजग गठबंधन 12 सीटों के साथ सिरमौर है, जिसमें भाजपा का 11 और उसकी सहयोगी पार्टी आजसू का एक सीट पर कब्जा है। बाकी दो सीटों पर विपक्षी गठबंधन कांग्रेस और झामुमो काबिज है, लेकिन कांग्रेस की मौजूदा सांसद गीता कोडा पहले ही भाजपा का दामन थाम चुकी हैं। ऐसे में राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेसनीत गठबंधन के सामने इस बार लोकसभा चुनाव में राजग गठबंधन के सामने पहले से भी ज्यादा सियासी चुनौती होगी।

कांग्रेस की एक सांसद भी चली गईं भाजपा में

झारखंड में पहले दौर के चुनाव में चार लोकसभा सीटों खूंटी, लोहरदगा, सिंहभूम और पलामू में 13 मई को मतदान होना है, इनमें से तीन पर भाजपा और एक पर कांग्रेस काबिज है लेकिन कांग्रेस की एक मात्र सांसद गीता कोडा लोकसभा चुनाव से पहले ही पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गई है। इस लिहाज से इन चारों लोकसभा सीटों पर बदले सियासी समीकरणों में इंडिया गठबंधन के सामने चुनौती होगी।

कांग्रेस ने उतारे पहले से हारे प्रत्याशी

खास बात है इंडिया गठबंधन ने खूंटी से अर्जुन मुंडा और लोहरदगा से भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव के खिलाफ कांग्रेस के उन्हीं प्रत्याशियों को क्रमशः कालीचरण मुंडा और सुखदेव भगत को चुनाव मैदान में उतारा है, जो साल 2019 के चुनाव में भाजपा से हार गये थे। सिंहभूम से इस बार भाजपा से चुनाव मैदान में उतरी गीता कोडा के खिलाफ झामुमो ने जोबा माझी और पलामू से भाजपा के मौजूदा सांसद विष्णु दयाल राम के सामने राजद ने ममता भुईयां पर दांव खेला है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

मदर्स डे पर ...

माँ तुझे प्रणाम

माँ के हौसले को **सलाम** देखें पेज 05

एक बार और होगा इलाज

आशा ने बताया कि कुसुम का इलाज कुछ साल पहले कैशलेस सत्यसाईं संजीवनी हास्पिटल में हुआ था। इस दौरान उसे बताया गया कि जब कुसुम पच्चीस से तीस साल की होगी, तो उसका एक और ऑपरेशन करना होगा। बेटी पूरी तरह स्वस्थ शेष पेज 2 पर

फोटो: किशन लोखंडे

- हैप्पी मदर्स डे पर हम राजधानी की आशा को कह रहे 'मां तुझे प्रणाम'
- चुनौतियों का डटकर सामना, बेटी को काबिल बनाने कर रही मजदूरी

पति की मौत... फिर बेटा भी चल बसा, बेटी पैदा हुई दिव्यांग, उसके हाथ नहीं और दिल में भी छेद

माँ हार नहीं मानती...

मां में सब रंग समाए हैं। मां से ही उपजे हैं समर्पण, संघर्ष और ममता के भाव। मां का आशीष हमें कवच देता है, मां का सानिध्य हमें रखता है सुरक्षित। जब दुखों का अंत न हो, जब उम्मीद का कोई छोर न दिखे, जब दुनिया में आसरा न मिले तब मां का पल्लू सिर पर छत बन जाता है, उसका आंचल सुरक्षा का भाव जगा देता है। आज मदर्स डे है। दुनिया की सबसे बड़ी योद्धा मां होती है...इसे सार्थक करती कुछ कहानियां। एक कहानी...जो आपकी आंखों में पानी ला देगी। यह कहानी है रायपुर की आशा की। पहले पति की मौत हुई, फिर बेटा चल बसा। बेटी हुई तो दिव्यांग...उसके हाथ नहीं...लेकिन दुख यहीं खत्म नहीं हुए। बेटी के दिल में छेद निकला। पेट भरने के लिए मजदूरी का आसरा। लेकिन आशा ने उम्मीद नहीं हारी। वो आज भी अपनी बेटी की परवरिश पूरे जतन के साथ कर रही है। वो आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान लाकर कहती है...कोई बात नहीं...यही जिंदगी है। पूरी दुनिया जब हैप्पी मदर्स डे कह रही है। हम आशा से कह रहे हैं...मां तुझे प्रणाम। तेरे संघर्ष को नमन है।

रायपुर-विकास शर्मा, रुचि वर्मा एवं लवकुश शुक्ला /गीदम-आरती सिंह/रायगढ़- राजेश रंजन सिन्हा/अंबिकापुर-अजय नारायण पांडेय की विशेष रिपोर्ट

गुढ़ियारी के आंबेडकर चौक में रहने वाली हैं आशा राजपूत। आशा की कहानी सुनकर लगता है कि मां को सबसे बड़ा योद्धा क्यों कहा जाता है। एक बेटे और बेटी के साथ खुशहाल जीवन जी रही आशा पर उस वक्त विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा जब 11 साल पहले पति नंदेश्वर राजपूत की हृदय से संबंधित बीमारी से मौत हो गई। पति की मौत के बाद आशा ने अपने बेटे धरम को बुढ़ापे का सहारा समझा था, मगर उसने भी ज्यादा दिनों शेष पेज 2 पर

जरूरी काम मां के भरोसे

कुसुम के अविकसित हाथ आधा फीट के हैं, इसलिए उसकी नियमित दिनचर्या का काम भी मां आशा की जिम्मेदारी है। अपने काम पर जाने से पहले उसको नहला-धुलाकर तैयार करने, खाना बनाने सहित अन्य कार्य पूरे करने के बाद आशा अपनी रोजी-मजदूरी के लिए जाती है। कड़ी मशक्कत और रेत, सीमेंट का काम करने के बाद शाम जब वह घर पहुंचती है, तो इंतजार में बैठी बेटी की जिम्मेदारी उसको थकने की इजाजत नहीं देती। अपनी परेशानी भूलकर वह घरेलू कामकाज में जुट जाती है।

पति गुजर गए, संवारा बेटे-बेटियों का जीवन

1 छग महिला चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की अध्यक्ष, रायपुर निवासी मधु अरोरा ने 2010 में अपने पति सुनील अरोरा को ब्रेन हेमरेज से खो दिया था। उनका पाइप फैक्ट्री का कारोबार है। जब पति गुजर गए तब बैंक वालों से लेकर सबने पूछा, अब क्या? ऐसे में मधु ने कहा, मैं संभालूंगी सब। उस वक्त बेटा बीस वर्ष का था और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था।

जरूरतमंद बच्चों के लिए जीवन समर्पित

2 अंबिकापुर की वंदना दत्ता ने अपना घर तो नहीं बसाया लेकिन 20 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को पढ़ा-लिखाकर उन्हें योग्य बनाया। वंदना दत्ता का परिवार काफी बड़ा है। उनके परिवार में डॉक्टर, इंजीनियर, प्राचार्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवा देने वाले सदस्य हैं वहीं राजनीति व व्यवसाय में स्वयं स्थापित करने वाले भी हैं।

रायगढ़ की दीदी माँ की अनूठी दास्तां

3 रायगढ़ की अंध-मूक-श्रवण बाधितार्थ स्कूल नंदा सरकुलेशन संस्थान की अध्यक्षा कुमारी उषा अग्रवाल को संस्था के बच्चे प्यार से दीदी माँ बोलते हैं। 65 साल की दीदी माँ पिछले 25 वर्षों से अंध मूक श्रवण बाधितार्थ स्कूल नंदा सरकुलेशन संस्थान भगवानपुर चला रही हैं। आज संस्था में 40 बच्चे हैं।

बच्चों को पालने बेचा मिट्टी का तेल

4 रायगढ़ की श्रीमती शीला तिवारी पत्नी रामसहोदर तिवारी एक ऐसी माँ जिसने अपने बच्चों की परवरिश के लिए तमाम सामाजिक प्रथाओं को त्याग कर उनकी परवरिश का बीड़ा उठाया। उन्होंने घर-घर मिट्टी का तेल और सामान बेचा और बच्चों को काबिल बनाया। वे पार्षद से नगर पालिका की अध्यक्ष बनीं।

बड़ी बहन ने संवारा भाई-बहनों का जीवन

5 मठपुरैना रायपुर की डॉ. निम्मी चौबे ने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बीते दौर की कई दबी हुई सिलवटें खोलीं। 2006 में पिता कोमल प्रसाद चौबे नहीं रहे, तो घर का खर्च और भाई-बहन की पढ़ाई- लिखाई की नई जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई। बहन धनश्री और भाई की जिंदगी संवार दी।

खुद नहीं पढ़ी पर बेटी को बनाया अफसर

6 गीदम की रहने वाली माँ मुराती यादव ने कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा। इसके बावजूद उन्होंने दो बेटियों को पढ़ाया। इनमें से एक प्रीति यादव ने यूपीएससी वन सेवा में 63वां स्थान प्राप्त किया। ऐसे में प्रीति का सपना पूरा हो गया। प्रीति कहती हैं कि माँ के सहयोग के बिना उसका सपना पूरा नहीं होता।

अब जबकि तीन चरण के चुनाव हो चुके हैं और एक दिन बाद 13 मई को चौथे चरण के चुनाव होने हैं, इस बीच दो मुद्दे मुस्लिम समाज से जुड़े हुए सामने आए हैं। आत्ममंथन और आबादी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार के दौरान मुस्लिम समाज से भावुक अपील की है कि वे आत्ममंथन करें कि अब तक जिन दलों ने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा है, उन्होंने उनकी समग्र प्रगति के लिए क्या किया है? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुस्लिम समाज दुनिया में बदल रहा है। यह बदलाव सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन आदि देशों में साफ दिखाई पड़ता है। खाड़ी के देशों में योग की ओर मुसलमानों का आकर्षण है, वे योग करते हैं, योग सिखने भारत आते हैं लेकिन भारतीय मुसलमानों ने योग को ही इस्लाम विरुद्ध मान लिया। सऊदी अरब में योग सरकारी सिलेबस का विषय है। जो विषय दुनिया के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी नहीं होता, जिसे वे अपनाते हैं, वही विषय भारत के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी क्यों हो जाता है? उन्हें समय के साथ बदलने से कौन विमुख रख रहा है? आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिन्ताजनक और विस्फोटक हो सकता है! खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती हो सकती है। दोनों विषयों-वोट बैंक नैरेटिव और आबादी विस्फोट का राजनीतिक आंकलन करता आजकल का यह अंक...

समग्रता में 'आत्ममंथन' की जरूरत

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के मुसलमानों से सीधे तौर पर संवाद कर आत्ममंथन की अपील की है। मुस्लिमों का दूसरा मुद्दा आबादी से जुड़ा है। 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू आबादी 84.68 फीसदी से घटकर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 फीसदी से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। प्रधानमंत्री ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं?

आज हमारे सामने दो मुद्दे हैं। दोनों में मुस्लिम साझा बिन्दु हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार देश के मुसलमानों से ऐसी अपील की है, जो भावुक लगती है। दूसरा मुद्दा हिन्दू-मुसलमान की आबादी से जुड़ा है। फिलहाल भारत की जनसंख्या करीब 144 करोड़ है, जो विश्व में सर्वाधिक है। हालांकि 2021 में जनगणना नहीं की जा सकी, क्योंकि वह कोरोना वैश्विक महामारी का दौर था। जनगणना 2011 में की गई थी, उसके बाद 13 साल गुज़र चुके हैं, लेकिन कोई अधिकृत जनगणना नहीं हुई है। 2011 में हिन्दू आबादी 79.80 फीसदी थी, जबकि मुस्लिम आबादी 14.20 फीसदी। मुसलमानों की बढ़ोतरी दर करीब 25 फीसदी थी, जबकि हिन्दुओं की बढ़ोतरी दर करीब 17 फीसदी। यानी हिन्दुओं की तुलना में मुसलमान ज्यादा बढ़ रहे थे। आज़ादी के बाद 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। अब तो यह आंकड़ा भी बदल चुका होगा! गौरतलब है कि 1951 से आज तक मुसलमानों की आबादी एक बार भी नहीं घटी, लगातार बढ़ती रही है। अब प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक रपट के जरिये चौंकाने वाले आंकड़े और रुझान सामने आए हैं। रपट में 1950 से 2015 तक जनसंख्या के रुझान के आंकड़े दिए गए हैं। ये इस कालखंड में जनगणना के दौरान भी सामने आए होंगे तो फिर आर्थिक सलाहकार परिषद की ऐसी रपट तब क्यों सार्वजनिक की गई, जब आम चुनाव, 2024 के तीन चरण के मतदान सम्पन्न हो चुके हैं? लोकसभा की 282 सीटों, करीब 52 फीसदी, पर जनादेश ईवीएम में दर्ज हो चुका है। देश का एक तबका रपट को 'फर्जी' क्यों करार दे रहा है?

बहुसंख्यक आबादी घटी

रपट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू आबादी 84.68 फीसदी से घटकर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 फीसदी से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिन्ताजनक और विस्फोटक हो सकता है! भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, सूडान, सर्बिया आदि देशों में आबादी के असंतुलन के कारण विभाजन देख चुका है। देश दोफाड़ हुए हैं और नए देश बने हैं। इंडोनेशिया कभी हिन्दू, बौद्ध बहुल देश था, लेकिन आज दुनिया के सबसे अधिक मुसलमान इंडोनेशिया में ही रहते हैं और बौद्ध अल्पसंख्यक हो गए हैं। मलेशिया में भी मुसलमान सबसे ज्यादा तादाद में नहीं थे। रपट में भारत में मुसलमान आबादी के जो आंकड़े दिए गए हैं, उनमें वे शामिल नहीं हैं, जो जनगणना जैसे अभियानों का बहिष्कार करते रहे हैं। 65 साल की मुस्लिम आबादी में रोहिंग्या भी शामिल नहीं हैं। इस लिहाज से मुस्लिम आबादी की बढ़ोतरी अधिक हो सकती है। रपट के मुताबिक, हिन्दुओं के साथ-साथ जैन और पारसी की आबादी भी घटी है। मुसलमानों के अलावा, सिख, बौद्ध, ईसाई की आबादी बढ़ी है। जैन, पारसी, ईसाई, बौद्ध, सिख समुदाय भी अल्पसंख्यक वर्ग में आते हैं। देश में पारसियों की आबादी तो करीब 57000 बताई जाती है, लेकिन उन्होंने अपने अधिकारों के लिए जन-आंदोलन नहीं छेड़े। मुसलमान ही अल्पसंख्यक के तमाम फायदे उठाते रहे हैं।

खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती

मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ती रही है, इसके बुनियादी कारण बांग्लादेश से घुसपैठ, धर्मान्तरण, मुस्लिम नेताओं, धर्मगुरुओं द्वारा ज्यादा बच्चे पैदा करने के आह्वान, 2011 तक ज्यादा प्रजनन दर, अशिक्षा, अज्ञानता आदि हैं। यह बढ़ोतरी देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती है। देश के संसाधन कम पड़ सकते हैं। पहले घुसपैठ बांग्लादेश से अधिक हुई, क्योंकि 1971 में पाकिस्तान विभाजन के साथ युद्ध भी हुआ। लोग बांग्लादेश से भाग कर भारत में आए। संघ-भाजपा 2 करोड़ से अधिक ऐसे घुसपैठिए मानते रहे हैं। जब म्यांमार से पलायन शुरू हुआ, तो रोहिंग्या मुसलमानों ने भारत में घुसपैठ की। म्यांमार के बाद भारत में हिन्दुओं की आबादी में सर्वाधिक गिरावट हुई है। नेपाल भी बुनियादी तौर पर हिन्दू राष्ट्र है, लेकिन उसकी भी हिन्दू आबादी 3 फीसदी घटी है। रपट के मुताबिक, नेपाल में 84 फीसदी हिन्दू थे, लेकिन 1950-2015 के दौरान 81 फीसदी रह गए। रपट बताती है कि दुनिया में बहुसंख्यकों की हिस्सेदारी 22 फीसदी घटी है। दुनिया में जिन देशों में हिन्दू और बौद्ध समुदायों की संख्या अच्छी-खासी थी, वह आबादी घट रही है। पाकिस्तान में करीब 80 फीसदी हिन्दू घटे हैं और बांग्लादेश में यह गिरावट करीब 66 फीसदी है। यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर हिन्दू आबादी लगातार कम क्यों होती जा रही है?

रिपोर्ट पर भी सवाल

सवाल समुदाय के लोगों की प्रजनन दर का भी है। दशकों तक मुसलमानों की औसत प्रजनन-दर 4-6 फीसदी रही, लेकिन अब 2021 वाले दौर में यह घटकर 2.36 फीसदी हो गई है। यह प्रजनन-दर हिन्दुओं में औसतन 1.94 फीसदी है। यह जनसंख्या-विस्फोट की स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी जनसंख्या संबंधी कानून के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन एक सीमा के बाद उसे देश और समाज के विकास में रोड़ा भी मानते हैं। बहरहाल आबादी का यह असंतुलन इसी गति से जारी रहा, तो कई संकट उभर सकते हैं। चिंताजनक पहलू यह भी है कि भारत को किन राजनीतिक दलों की सरकारों ने घुसपैठियों की धर्मशाला बना दिया? आम चुनाव के दौरान सवाल तो इस रपट पर भी किए जा रहे हैं कि 2015 तक की रपट 2024 में सार्वजनिक क्यों की गई है? 2011 तक के अधिकृत आंकड़े तो देश के पास उपलब्ध हैं। मात्र 4 साल के अंतराल में जनसंख्या में कितने बदलाव हुए, यह आज 2024 में क्यों प्रासंगिक है? क्या आम चुनाव है, इसलिए राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं?

अपील भी नसीहत भी

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को 'आत्मचिन्तन' करने की अपील भी की है और नसीहत भी दी है। यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम समाज से सीधे संवाद किया है और उन्हें आत्मचिंतन करने की बात कही है कि अब तक कौन लोग, कौन दल रहे हैं, जो उन्हें केवल वोट बैंक मानते रहे हैं, उन्हें वे पहचानें। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिन्दू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक पूर्वाग्रही ट्रेंड है। प्रधानमंत्री का आशय इस ट्रेंड को बदलने की जरूरत से है। मुस्लिम वोट बैंक बन कर न रह जाएं, विवेक से मतदान का निर्णय करेंगे, तो न ही कोई उन्हें वोट बैंक जैसा व्यवहार करेगा, न ही उन्हें कोई छद्म डर से डरा सकेगा। यह समय मुस्लिम वोट बैंक की तुष्टिकरण राजनीति करने वालों की पहचान करने का है और जो डर उनके मन में बिठाया गया है, उससे बाहर निकलने का है। अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...'का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं। यकीनन देश की आज़ादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लड़खड़ाती सरकारें बनवाई हैं। जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस की ओर भी ध्रुवीकृत हुए।

आंकलन वक्ती जरूरत

प्रधानमंत्री ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढ़ने की कोशिश न की जाती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो दौर उतने भयावह न होते! मुलायम सिंह को 'रामसेवकों' पर गोलियों की बौछार न करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानों के संदर्भ भी उठाए। 'सच्चर कमेटी' के निष्कर्षों का भी जिक्र किया। सवाल नहीं, यह हकीकत है कि औसत मुस्लिमों को गरीबी, अशिक्षा, बदहाली और भुखमरी ही मिली। अब इस चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के जरिये वोट बैंक को भुनाने की सियासी कवायद जारी है, जिसके पलट जवाब में प्रधानमंत्री मोदी को अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी समर्थक जमातों को विश्वास दिलाना पड़ रहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होगा। सारांश यह है कि मौजूदा दौर में मुस्लिमों को अपनी स्थिति के बारे में सही मायने में 'आत्ममंथन' करने की जरूरत है।

क्या मुस्लिम समाज आत्मचिंतन करेंगे?

दो टूक
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुसलमानों से अपने राजनीतिक-सामाजिक व्यवहार पर आत्ममंथन करने की अपील पर गंभीर बहस होनी चाहिए। यह बात सही है कि लोकसभा चुनाव के बीच इस तरह की अपील के राजनीतिक मायने निकाले जाएंगे और निकाले जा भी रहे हैं। भाजपा विरोधी यह कहकर हमला कर रहे हैं कि अपनी हार की डर से घबराकर मोदी ने मुसलमानों के सामने अपील की है। प्रधानमंत्री मोदी की छवि को विरोधियों ने ऐसे मुस्लिम विरोधी नेता की बनाने की कोशिश की है, जहां तनिक भी बाएं-दाएं दिखने पर उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती है। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के भारतीय मुसलमानों पर दिए गए वक्तव्य को किस रूप में देखा जाए? यह सच है जैसा प्रधानमंत्री ने स्वयं कहा है कि मैंने पहले कभी इन विषयों पर बातचीत नहीं की। मुसलमानों को लेकर सबसे ज्यादा आरोप प्रधानमंत्री मोदी पर ही लगाए गए। अपने मुख्यमंत्रीत्वकाल के आरंभ में अवश्य उन्होंने अपना पक्ष रखने की कोशिश की, लेकिन बदलाव न दिखने पर इस विषय पर बोलना ही बंद कर दिया। यह भी सच है कि उन्होंने पहली बार मुसलमानों से आत्ममंथन करने को कहा है। तो आखिर क्यों?

जनमत को विकृत किया

एक मीडिया समूह को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि आप यदि यह सोचते रहेंगे कि सत्ता में किसे बिठाएंगे और किसे उतारेंगे, उससे अपने बच्चों का भविष्य ही खराब करेंगे। कोई चाहे इसे किस रूप में भी देखें स्वतंत्रता के बाद से पहले कांग्रेस और बाद में ज्यादातर पार्टियों ने वोट के लिए मुसलमानों के बीच जनमत को विकृत किया। दुर्भाग्य से मुसलमान समाज के पढ़े-लिखे लोगों में से बड़े वर्ग ने कभी इसका मूल्यांकन नहीं किया कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस और उसके बाद अन्य कई पार्टियों ने उनके अंदर डर पैदा कर वोट तो लिया पर उनके उत्थान, वास्तविक कल्याण या विकास के लिए जो करना चाहिए वह नहीं किया गया। ऐसे- ऐसे मुद्दे पार्टियों और सरकारों ने उठाए और उन पर काम किया जो भावनात्मक रूप से उनको छूते थे या उनके समाज में यथास्थिति को बनाए रखने वाले थे, जो उनके सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक विकास में बाधक थे और मजहबी रूप से सच नहीं। इस चुनाव में भी लगभग यही हो रहा है। मुसलमानों के अंदर यह भय पैदा किया जा चुका है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में लौटी तो भारत में इस्लाम के लिए कयामत आ जाएगी, वो अपनी इच्छा अनुसार इस्लामी मजहब का पालन भी नहीं कर सकेंगे। यह पहला चुनाव है जहां मुसलमानों के अगुवा माने जाने वाले व्यक्तियों के बड़े समूह ने भाजपा को वोट न देने को दीन और ईमान का विषय बना दिया है। अगर समुदाय का बहुमत इस रूप में सोचता है कि एक पार्टी को सत्ता से हटाना ही इसका मुख्य कर्तव्य है और इसी में उसकी ऊर्जा और परिश्रम लग रहा है तो किसी का हित नहीं होगा। तो फिर?

आरोपों पर भी बातचीत

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम विरोधी होने के आरोप पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि न हम इस्लाम के विरोधी हैं और न मुसलमान के। हमारा ये काम ही नहीं है। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि मुसलमान इस पर विचार करें कि सरकारी व्यवस्थाओं का लाभ उन्हें कांग्रेस के शासनकाल में क्यों नहीं मिला? अगर लाभ मिला होता तो मनमोहन सिंह के नेतृत्व में चलने वाली यूपीए

सरकार को सच्चर समिति के माध्यम से मुसलमानों के हर क्षेत्र में पिछड़े होने की रिपोर्ट सामने नहीं लानी पड़ती। हालांकि सच्चर रिपोर्ट अतिवाद से भरी थी तथा तथ्यों के नाम से सामने रखे गए अनेक बिंदु विचारों और कल्पनाओं वाले थे। इसके बावजूद वह बताती थी कि उस समय तक की सरकारों ने मुसलमानों को एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया या मुसलमान स्वयं उनके मतदाता के रूप में इस्तेमाल हुए, न उनका समुचित सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक विकास हुआ न राजनीति के क्षेत्र में भी उस स्थान तक पहुंचे जहां उन्हें पहुंचना चाहिए था। भारतीय मुसलमानों के अगुवा वर्ग का एप्रोच सही होता तो उनकी मानसिकता बदलती और नरेंद्र मोदी सरकार दुश्मन नहीं नजर आती। इस सरकार के कार्यकाल में पंथ, मजहब, जाति या रंग के आधार पर सरकारी नीतियों में किसी तरह के भेदभाव का एक भी प्रमाण नहीं है। सच यह है कि भारतीय मुसलमानों को हिंदुओं की तुलना में आबादी के प्रतिशत से ज्यादा लाभ सरकार की योजनाओं का मिला है।

साफ दिख रहा बदलाव

जो विषय दुनिया के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी नहीं होता, जिसे वे अपनाते हैं वही विषय भारत के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुसलमान समाज दुनिया में बदल रहा है। यह बदलाव सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन आदि देशों में साफ दिखाई पड़ता है। ज्यादातर देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया है। जब नैरेटिव में फंसकर मानकर चलेंगे कि यह नेता और इसकी सरकार या पार्टी और संगठन परिवार मुस्लिम विरोधी ही है तो आप अपने संकुचित परिधि से बाहर नहीं निकल सकते। खाड़ी के देशों में योग की ओर मुसलमानों का आकर्षण है, वे योग करते हैं, योग सिखने भारत आते हैं लेकिन भारतीय मुसलमानों ने योग को ही इस्लाम विरुद्ध मान लिया। सऊदी अरब में योग सरकारी सिलेबस का विषय है। ऐसी अनेक बातें हैं जिनमें भारतीय मुसलमान के व्यवहार को देखकर हैरत होती है। उदाहरण के लिए एक साथ तीन तलाक का इस्लाम मजहब में कहीं स्थान नहीं है। शरीयत के अनुसार चलने वाले शासन के मुल्कों में भी अनेक ऐसे हैं जिन्होंने एक साथ तीन तलाक को गैर इस्लामी घोषित किया हुआ है। मोदी सरकार ने इसके विरुद्ध कानून पारित किया और यह सही था, पर इसे मजहब के विरुद्ध घोषित कर आज भी मुसलमान के बड़े चेहरे आग उगलते रहते हैं। अनुच्छेद 370 का इस्लाम से क्या लेना देना था? जम्मू कश्मीर तो छोड़िए देशभर के मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग इसे लेकर छाती पीट रहा है। गोहत्या निषेध मुसलमान के विरुद्ध कदम कैसे हो गया? समान नागरिक संहिता में किसी मजहबी कर्मकांड पर रोक नहीं है। लंबे समय से मुसलमानों के दिमाग में बिठा दिया गया कि समान नागरिक संहिता इस्लाम के विरुद्ध है।

समझने की जरूरत

इस तरह के नैरेटिव से मुस्लिम समाज को बाहर आने की आवश्यकता है। क्या प्रधानमंत्री की अपील के बावजूद ऐसा लगता है कि भारतीय मुसलमान आत्ममंथन करेंगे और उन्हें वोट के रूप में देखने वाली पार्टियां ऐसा करने देंगी? इसकी उम्मीद कम है पर,मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि हमारे देश के बेईमान और पाखंडी नेताओं ने वोट के लिए सीधा अप्रोच यही बनाया कि उनके समाज के दोषों को दूर करने या उन्हें मुख्यधारा में लाने की जगह जहां जैसे हैं वैसे ही छोड़ दो और उनके हितैषी होने का प्रदर्शन करते रहो। बस रोजा के समय बड़ी इफ्तार पार्टियां दे दो, बड़े मुस्लिम चेहरों द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल हो जाओ आदि। इस तरह के तुष्टिकरण से ही आज तक उनका काम चल गया। क्या कभी मुसलमानों ने यह सोचा है कि इस तरह के व्यवहार से उन्हें प्राप्त क्या हुआ? कोई आपके लिए इफ्तार पार्टी न दे, आपके साथ नमाज अदा करने का नाटक न करे, आपकी टोपी न पहने, लेकिन आपके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य की व्यवस्था करे, गरीब मुसलमानों के लिए उचित आवास दे, उनके घरों में बिजली और पानी पहुंचाए तो क्या उसे मुस्लिम विरोधी सरकार कहा जाएगा? नरेंद्र मोदी सरकार यही तो कर रही है। इसलिए मोदी ने जो कहा है उसे आम मुसलमान सकारात्मक दृष्टि से लें।

देश की एकता के लिए हो राजनीति

दरकार
सुरेश हिंदुस्थानी
राजनीतिक विश्लेषक

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की तारतम्यता यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं। भारत में जिस सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किए गए, जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार के सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते हैं, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारतीय जनमानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

नफ़रत की दरार

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया, जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। जरूरत है हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा।

ऐसे बयान ही क्यों

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निस्संदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के

वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है।

पराजय का बोध नहीं

राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं, इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का प्रयास करते हैं।

सफाई देने की स्थिति में नहीं

कांग्रेस अपनी कमियों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं, इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए।

रायपुर
रविवार, 12 मई 2024
बैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी
वर्ष : 22, अंक : 294
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 , मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 40.0
न्यून. 26.5

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पीएम का 10 साल का काम ही इतना अपार है कि उनके 'नाम' से ही मिल जाता है 'अपार समर्थन'

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

सीएम डॉ. मोहन यादव। चुनाव तक आते-आते डॉ. यादव के 100 दिन में कमाल के 100 काम रहे हैं। तीन-तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना। एयर एंबुलेंस एग्रीमेंट, एयर टैक्सी लगाना और धार्मिक स्थलों पर सुगमता से पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर की सुविधा। दस हजार लोगों को नियुक्ति पत्र देना और एमपीपीएससी से चयनित 800 लोगों को एक साथ नियुक्ति दिलाना। खुले में मांस-मछली बेचने पर प्रतिबंध और ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन कराना। इन फैसलों से मप्र ▶▶|शेष पेज 2 पर

चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद सीएम डॉ. यादव का सबसे बेबाक साक्षात्कार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

यह भी बोले यादव

- राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पाकिस्तान की बात करते हैं। जब जनता घेरती है तो दोष भाजपा पर मढ़ने की कोशिश करते हैं।
- अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कांग्रेस ने जो स्टैंड लिया है वो कांग्रेस के लिए आत्महत्या जैसा है। इसे कोई पसंद नहीं कर सकता है।
- मप्र सरकार ने 100 दिन में सौ से अधिक ऐसे फैसले लिए, जिनको जनता ने स्वीकार किया

उनसे सीधी बात

▶▶| *सवाल : आप पहले के चुनाव में और अब के चुनाव में क्या अंतर देख रहे हैं?*

▶▶| **जवाब** : पहले जनता का समर्थन जुटाना बहुत कठिन होता था। इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत करना पड़ती थी इस बार के चुनाव में केवल पीएम नरेंद्र मोदी का नाम ही काफी है। उन्होंने बीते 10 सालों में इतना ज्यादा काम किया है कि उनका नाम लेते ही अपार जनसमर्थन मिल जाता है। जब हम उनकी बात करते हैं तो उनके इतने सारे काम हैं कि उसमें से क्या बताएं और क्या छोड़ें यही तय करना मुश्किल हो जाता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो वो हारी हुई लड़ाई लड़ रही है। राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पाकिस्तान की बात करते हैं। जब जनता घेरती है तो दोष भाजपा पर मढ़ने की कोशिश करते हैं।

▶▶| *सवाल : कहा जा रहा है कि पीएम मोदी संविधान बदलना चाहते हैं इसलिए 400 पार का नारा दिया?*

▶▶| **जवाब** : यदि संविधान बदलना था तो बीते दस साल में बदल देते। एनडीए को मिलाकर लगभग 4 सौ सीटें तो थीं ▶▶|शेष पेज 2 पर

हाइलाइटर

- चुनाव बाद टीम में परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं
- चुनाव के बाद स्वाभाविक रूप से परिवर्तन होता है तो यहां भी ऐसे परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। चुनाव परिणाम आने के बाद तय करेंगे क्या करना है। मंत्रिमंडल के साथ और भी कई नियुक्तियां होनी हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

INDIAN PREMIER LEAGUE 2024 स्कोर बोर्ड

कोलकाता 157/7 Vs मुंबई 139/8
18 रन से जीती केकेआर
2 विकेट : वरुण चक्रवर्ती
प्लेयर ऑफ द मैच

आज के मैच
चेन्नई Vs राजस्थान
समय : दोपहर 3.30 बजे
बेंगलोर Vs दिल्ली
समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

बीएसएफ ने पाकिस्तानी ड्रोन पर की गोलीबारी

सांबा/जम्मू। बीएसएफ के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन पर शुक्रवार रात गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने देर रात पाकिस्तान की ओर से ड्रोन की आवाजाही देखी और लगभग 24 गोलियां चलाईं। ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा में चला गया।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन में सात करोड़ कैश बरामद

अमरावती। आंध्र प्रदेश पुलिस ने पूर्वी गोदावरी जिले में एक टोल नाका के पास दुर्घटनाग्रस्त एक हल्के वाणिज्यिक वाहन से सात करोड़ रुपए नकद बरामद किए। नकदी से लदा वाहन हैदराबाद के नचाराम से आया था और मंडपेटा की ओर जा रहा था। नकदी से भरे बक्शे रासायनिक चूने की बोरियों के बीच फंसे हुए थे।

प्रेस्टीज एस्टेट्स के सीईओ वेंकट नारायण का इस्तीफा

नई दिल्ली। रियल्टी कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स के सीईओ वेंकट नारायण ने निजी हितों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। वेंकट ने अगस्त 2017 में प्रेस्टीज एस्टेट्स के सीईओ की जिम्मेदारी संभाली थी। कंपनी ने बताया कि वेंकट ने 10 मई, 2024 को कंपनी के सीईओ पद और बोर्ड की समितियों से इस्तीफा दे दिया है।

बेंगलुरु-देवघर के बीच सीधी उड़ान 1 जून से

कोलकाता। किफायती एयरलाइन इंडिगो ने एक जून से झारखंड के देवघर और बेंगलुरु के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। सीधी उड़ानें सप्ताह में तीन बार मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को संचालित होंगी। उड़ान संख्या '6ई 6435' बेंगलुरु से सुबह 10.05 बजे उड़ान भरेगी।

बीजापुर के बाद धमतरी में मुठभेड़, मारा गया नक्सली

» *बीजापुर एसपी ने कहा मुठभेड़ में तीस लाख के इनामी नक्सली मारे गए*

» *मिलिट्री कम्पनी नम्बर दो के 2 सदस्य पर था 8-8 लाख का इनाम*

गृहमंत्री ने कहा- वार्ता के लिए आगे आएं माओवादी

शुक्रवार को बीजापुर के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीडिया के जंगलों में सुबह 5 बजे मुठभेड़ में फोर्स ने 12 नक्सली मार गिराए, वहीं धमतरी में भी फोर्स के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली के मारे जाने की खबर सामने आई है। पूरे घटनाक्रम के बाद प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों से अपील की है कि सरकार हाथ जोड़कर कह रही है, वार्ता के लिए आगे आएं, जिससे बस्तर के लोग और गांव आजाद हो सके।

हरिभूमि फॉलोअप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर/सांकरा(धमतरी)

शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीजापुर में एसपी जितेन्द्र यादव ने प्रेसवार्ता में बताया कि पीडिया इलाका दक्षिण बस्तर डिविजनल नक्सलियों का गढ़ माना जाता है। इस इलाके में संयुक्त रूप से एंटी नक्सल आपरेशन चलाया गया। शुक्रवार को गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीडिया के जंगलों में सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चलती रही। इस अभियान में कोबरा, डीआरजी, सीआरपीएफ और एसटीएफ के जवानों के साथ मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में जवानों ने 12 नक्सलियों को ढेर कर उनके शव बरामद किये है। मुठभेड़ में तीस लाख के इनामी नक्सलियों को ढेर किया गया है।

एसपी ने बताया कि आईईडी की चपेट में आने से सुरक्षा बल के दो जवान घायल हुए हैं। वहीं क्रॉस फायरिंग के दौरान एक ग्रामीण घायल अवस्था में मिला है। इसके अलावा मुठभेड़ में तीन नक्सली भी घायल हुए है। जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में यह भी देखने को मिला कि सुबह पहली मुठभेड़ के बाद नक्सलियों ने अपना ड्रेस चेंज कर ग्रामीणों के साथ शामिल हो गए थे। टीसीओसी के लिए नक्सली एकत्रित हुए थे, और उनकी पालनार एवं मुतवेंडी कैम्प पर हमला करने की योजना थी।

मुठभेड़ के बाद नक्सली अपना ड्रेस चेंज कर ग्रामीणों के साथ शामिल हो गए थे

धमतरी के भैंसामुड़ा के जंगल में मुठभेड़, एक नक्सली मारा गया

नगरी थाना क्षेत्र में भैंसामुड़ा के जंगल में जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जानकारी के मुताबिक इस मुठभेड़ में जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया है। वहीं जवानों ने मौके से नक्सली सामग्री और साहित्य सहित अन्य सामग्री बरामद किए गए हैं। भैंसामुड़ा के जंगल में मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन के ▶▶|शेष पेज 2 पर

तेंदूपत्ता तोड़ने गई युवती की आईईडी की चपेट में आने से मौत

बीजापुर के गंगालुर थाना क्षेत्र के मल्लूर गांव में तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई हैं। गंगालुर के मल्लूर गांव में नक्सलियों ने सुरक्षाबल के जवानों को निशाना बनाने के लिए आईईडी लगा रखा था। शनिवार को तेंदूपत्ता तोड़ाई के दौरान युवती शांति पुनेम आईईडी की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई। शांति मल्लूर गांव की रहने वाली थी।

ये नक्सली हुए ढेर

पीड़िया में मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। जिसमें बुधु ओयाम मिलिट्री कम्पनी नम्बर दो सदस्य पीपीसीएम मल्लेपल्ली थाना बासागुड़ा इनामी 8 लाख, कल्लू पुनेम मिलिट्री कम्पनी नम्बर दो सदस्य पीपीसीएम इनामी 8 लाख, लक्खे कुंजाम एसीएम गंगालूर एरिया कमेटी इतावार थाना गंगालूर इनामी 5 लाख, भीमा कारम मिलिट्री प्लाटून नम्बर 12 सदस्य पीपीसीएम इनामी 5 लाख, सन्नू लेकाम मिलिशिया प्लाटून कमांडर पीडिया आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर इनामी 2 लाख, सुखराम अवलम जनताना सरकार उपाध्यक्ष पीडिया आरपीसी, पीडिया थाना गंगालूर इनामी 2 लाख, चैतू कुंजाम मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी पता इतावार थाना गंगालूर इनामी 30 हजार ,सुनीता कुंजाम मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी इतावार थाना गंगालूर इनामी 30 हजार, सन्नू अवलम भूमकाल मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर इनामी 30 हजार, जोगा बरसी मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी इतावार थाना गंगालूर इनामी 30 हजार, भीमा ओयाम मिलिशिया सदस्य आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर इनामी 10 हजार, दुला तामो मिलिशिया सदस्य पीडिया आरपीसी पीडिया थाना गंगालूर 10 हजार राशि घोषित था।

चुनावी सभा में बड़ा दावा

केजरीवाल बोले- मोदी शाह को बनाएंगे पीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश में लोकसभा चुनाव का चौथा चरण के मतदान की तारीख करीब आ चुकी है। भाजपानीत एनडीए और कांग्रेसनीत इंडिया एक दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। जेल से बाहर आते ही दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला तेज कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने एक बहुत ही खतरनाक मिशन शुरू किया हुआ है जिसका नाम है 'वन नेशन, वन लीडर। प्रधानमंत्री जी वन नेशन, वन लीडर की राह पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर इनकी सरकार बनी तो पहले अगले दो महीने में ये योगी आदित्यनाथ को निपटाएंगे, उसके बाद पीएम मोदी के सबसे खास अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि मोदी अपने लिए नहीं, अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं। केजरीवाल के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने खुद स्थिति साफ कर दी।

भाजपा अध्यक्ष ने किया पलटवार

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर लिखा, केजरीवाल और पूरा इंडी गठबंधन चुनाव में विफलता का अहसास कर बौखला गए हैं। देश को भटकाना और भ्रमित करना ही इनका उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हर तरफ मोदी जी को जनता का प्रचंड आशीर्वाद मिल रहा है। प्रधानमंत्री के सामने न तो इनके पास कोई नीति है न ही कोई कार्यक्रम है। अब पीएम मोदी के उम्र का बहाना लेकर रास्ता ढूंढ रहे हैं।

शाह बोले-केजरीवाल एंड कंपनी आनंदित न हो

अमित शाह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी इंडिया गठबंधन वालों को आनंदित होने की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इसमें बीजेपी में कोई कन्फ्यूजन नहीं है। यह कन्फ्यूजन खड़ा किया जा रहा है। हम 400 पार की तरफ बढ़ रहे हैं। मोदी ही टर्म पूरी करेंगे। मोदी के 75 साल पूरा करने के सवाल पर शाह ने कहा कि बीजेपी के संविधान में ऐसा कुछ नहीं है। इस तरह शाह ने विपक्ष के इस आरोप पर स्थिति साफ कर दी।

मां को गोली मारी बच्चों को छत से फेंका फिर कर ली खुदकुशी

एजेंसी ▶▶| सीतापुर

यूपी के सीतापुर में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक युवक ने मां, पत्नी और बच्चों की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी मां की गोली मारकर हत्या कर दी जबकि पत्नी की हथौड़े से मारकर जान ले ली। घटना मथुरा थाना क्षेत्र के पल्हापुर गांव की है। इसके बाद आरोपी ने अपने 3 बच्चों को छत से नीचे फेंक दिया जिससे उनकी भी मौत हो गई। परिवार के पांच लोगों की हत्या के बाद आरोपी ने खुद को गोलीमार कर खुदकुशी कर ली।

- एक परिवार के छह सदस्यों की मौत से सनसनी

पाल्हापुर में किसान वीरेंद्र सिंह के बेटे अनुराग सिंह ने हत्याकांड को अंजाम दिया। अनुराग सिंह ने मां सावित्री देवी (62), पत्नी वीरेंद्र सिंह, पत्नी प्रियंका सिंह (40), बेटी आष्वी (12) बेटा अनुराग और बेटी आरना (08) की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं आदविक (04) ने जेरे इलाज दम तोड़ दिया।

बुराड़ी कांड की दिलाता याद

पुलिस और फॉरेंसिक की टीम इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। पूरा गांव दहशत में है, एक ही परिवार में इतनी हत्याएं देख सभी की रूह कांप गई है। वैसे इससे पहले दिल्ली के बुराड़ी में भी एक ही परिवार की संदिग्ध हालत में मौत हुई थी। जादू-टोने से लेकर कई पहलू तब सामने आए थे।

हत्या का कारण स्पष्ट नहीं

अब अभी तक इस हत्या का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से बीमार था और लंबे समय से उसकी हालत स्थिर नहीं चल रही थी। आरोपी अनुराग सिंह ने मां सावित्री देवी (62), पत्नी प्रियंका सिंह (40), बेटी आष्वी (12) बेटा अनुराग और बेटी आरना को मौत के घाट उतारने का काम किया है।

पांच की हत्या के बाद खुद की जान ली

इस घटना को लेकर सीतापुर के एसएसपी चक्रेश मिश्रा ने कहा, आज मथुरा में रामपुर पुलिस को सूचना मिली कि मानसिक रूप से बीमार एक व्यक्ति, जिसका नाम अनुराग सिंह (उम्र- 45 वर्ष) है, उसने कथित तौर पर खुद को गोली मारने से पहले अपने परिवार के 5 लोगों की हत्या कर दी है। पुलिस और एफएसएल टीम जांच कर रही है। हर पहलू पर कानूनी कार्रवाई चल रही है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार से ही ओडिशा का विकास संभव : साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/नुआपाड़ा/कालाहांडी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज ओडिशा में दो सभाएं ली। यहां उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पंद्रह साल तक भाजपा की सरकार थी, लेकिन पांच साल के लिए कांग्रेस ने सत्ता संभाली तो भ्रष्टाचार को जमकर बढ़ावा मिला, लेकिन अब फिर छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। इसके कारण प्रदेश में द्रुत गति से विकास हो रहा है। इसी तरह के विकास के लिए उड़ीसा में भी डबल इंजन की सरकार होनी चाहिए। श्री साय ने कहा कि ▶▶|शेष पेज 2 पर

मुख्यमंत्री विष्णु देव ने ओडिशा के कालाहांडी में ली दो जनसभाएं

आदिवासी विरोधी हैं बीजेडी और कांग्रेस

विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस और बीजद ने आदिवासियों का कोई विकास नहीं किया। उसे केवल बंधुआ मजदूर समझा, वोट बैंक समझा। जबकि भाजपा ने आदिवासियों का भरपूर सम्मान किया, कर रही है और आगे भी करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल जी ने आदिवासियों के हित के लिए ▶▶|शेष पेज 2 पर

ट्रक की टक्कर से कार में आग दूल्हा समेत चार जिंदा जले

एजेंसी ▶▶| झांसी

झांसी-कानपुर राजमार्ग पर पारीक्षा के निकट ट्रक से टक्कर लगने पर एक कार में आग लग जाने पर उसमें सवार दूल्हे सहित चार लोगों की जलकर मौत हो गई है। दो अन्य बाराती घायल झुलस गए। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद ट्रक चालक भाग गया। जब दूल्हे की कार पारीक्षा पुल से गुजर रही थे। तभी पीछे से आ रही एक डीसीएम टोयोटा ट्रक ने पीछे से उसमें टक्कर मार दी।

कार का सीएनजी टैंक फटा

इनकी हो गई मौत

इस दुर्घटना में 25 वर्षीय दूल्हा आकाश अहिरवार, उसका भाई आशीष (20), भतीजा मयंक (सात) एवं कार चालक जयकरण (32) की मौके पर ही जल जाने के कारण मौत हो गई एवं अन्य दो बाराती रवि अहिरवार एवं रमेश झुलस गए। पुलिस ने रवि और रमेश को स्थानीय मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया। पुलिस अधीक्षक शहर कुमार ने बताया कि ट्रक चालक दुर्घटना उपरांत भाग गया। उनके अनुसार रवि एवं रमेश की हालत संतोषजनक बताई गई है।

दो सौ से अधिक बैंक एकाउंट में राशि फ्रीज, एक फॉर्च्यूनर गाड़ी भी जब्त

बर्खास्त आरक्षक के 200 बैंक एकाउंट में 3 करोड़

हरिभूमि खास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महादेव सट्टा एप केस में आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बड़ा खुलासा किया है। इस केस में गिरफ्तार बर्खास्त आरक्षक अर्जुन यादव ने ईओडब्ल्यू की पूछताछ में देश के कोलकाता के साथ श्रीलंका में भी महादेव एप का पैनल संचालन करना स्वीकार किया है। वह 20 से ज्यादा एप के पैनल का संचालन कर रहा था। अर्जुन ने दो सौ से अधिक बैंक एकाउंट में 3 करोड़ रुपए की राशि भी जमा कराई है, जिसे फ्रीज किया गया है। ईओडब्ल्यू को महादेव सट्टा एप प्रकरण में अर्जुन यादव की गिरफ्तारी के बाद ▶▶|शेष पेज 2 पर

सट्टा के पैसों से खरीदी फॉर्च्यूनर गाड़ी

अर्जुन यादव महादेव सट्टा एप की कमाई से ऐशो आराम की जिंदगी जी रहा था। उसने इन पैसों से काफी महंगी गाड़ी फॉर्च्यूनर भी खरीदी थी, जिसे जब्त किया गया है। इस गाड़ी की कीमत लाखों में है। अर्जुन यादव से पूछताछ में नए खुलासे हो सकते हैं। ईओडब्लयू की टीम उससे जुड़े लोगों से भी पूछताछ की तैयारी कर रही है।

श्रीलंका से भी महादेव एप का संचालन

हरिभूमि की एक खबर ने ढहा दिया 20 हजार करोड़ के
महादेव एप सट्टे का साम्राज्य

14 मई तक हिरासत में

बर्खास्त आरक्षक अर्जुन यादव अभी भी 14 मई तक ईओडब्ल्यू की हिरासत में है। कोर्ट ने उसे 5 दिन के लिए 14 मई तक रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। इन दिनों में अभी लगातार अर्जुन यादव से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के अनुसार इस पूछताछ में और कई खुलासे होने की संभावना है।

आरोपी के मोबाइल में एप से जुड़े कई वाट्सप ग्रुप मिले

ईओडब्ल्यू को अर्जुन यादव के मोबाइल में महादेव एप से जुड़े कई वाट्सप ग्रुप भी मिले हैं। इनमें से कुछ ग्रुप आरटीजीएस एकाउंट से और कुछ ग्रुप फेक एकाउंट से संबंधित मिले हैं। इसमें ग्रुप से मिली जानकारी के आधार पर 2 सौ से अधिक ऐसे बैंक एकाउंट का पता लगाया गया है, जिनमें लगभग 3 करोड़ रुपये इन बैंक एकाउंट में फ्रीज करवाया गया है। सूत्रों के अनुसार उसके वाट्एएप चैट में कई अफसर और नेताओं के साथ बातचीत का पता चला है।

तरकश

-संजय के. दीक्षित

15 परसेंट निकम्मे आईएएस!

मंत्रालय में हाजिरी लगाने के लिए जब से बायोमेट्रिक सिस्टम लगाने की कोशिशें शुरू हुई हैं, आईएएस अफसरों के हाथ-पांव फुल गए हैं। अफसरों की एक लॉबी प्रेशर बना रही कि किसी भी सूरत में बायोमेट्रिक वाला मामला पेंडिंग में चला जाए। इसीलिए, भांति-भांति के कुतर्क दिए जा रहे हैं...कोई आरटीआई में उनका अटेंडेंस निकाल लेगा तो हमारी फजीहत हो जाएगी...हमारे पास दो-दो, तीन-तीन प्रभार होते हैं...कभी इस आफिस में, कभी उस ऑफिस में जाना होता है तो हमारी हाजिरी कैसे लगेगी? उधर, चीफ सिकरेट्री ने रिव्यू कर जीएडी और सुशासन विभाग को गो कर दिया है। जाहिर है, चीफ सिकरेट्री जीएडी के हेड होते हैं। अफसरों को यही तकलीफ है कि सुनील कुमार जैसे तेज-तर्रार सीएस ने ऐसा कुछ नहीं किया तो अमिताभ जैन हमलोगों को क्यों फंसा रहे हैं। अलबत्ता, पूरे सिस्टम में 15 परसेंट ही ऐसे आईएएस हैं, जिनके न मंत्रालय आने का टाईम है और न जाने का। इनमें से कई 12 बजे के बाद ही मंत्रालय या इंद्रावती भवन पहुंचते हैं और तीन बजे के पहले घर पहुंचकर खाना खाकर सो जाते हैं। जिस दिन सीएस की कोई मीटिंग या फिर दिल्ली की कोई वीसी हुई तभी वे मंत्रालय में दिखेंगे वरना...। ये वे अफसर हैं, जो विधानसभा सत्र के दौरान न मंत्रालय में होते हैं और न विधानसभा में। पीए का रटारटाया जवाब मिलेगा, साब विधानसभा गए हैं। कोई काम बताइये तो टका-सा जवाब...मालूम नहीं, विधानसभा चल रहा है। जीएडी के एक अफसर ने बताया...इन 15 परसेंट शाही मिजाज वाले ब्यूरोक्रेट्स की देखादेखी 35 परसेंट अफसर और बिगड़ गए। बाकी करीब 50 परसेंट अफसर आज भी टाईम पर ऑफिस आते हैं और ईमानदारी से ड्यूटी निभाते हैं। बायोमेट्रिक उन 15 परसेंट निकम्मे अफसरों के लिए लगाया जा रहा है। वे ठीक हो जाएंगे, तो पूरा सिस्टम दुरूस्त हो जाएगा।

अफसरों से ज्यादती?

ब्यूरोक्रेसी में ही यह मानने वालों की कमी नहीं कि छत्तीसगढ़ के आईएएस सेंट्रल डेपुटेशन पर नहीं जाना चाहते क्योंकि, दिल्ली में काम करना पड़ता है। आप उंगलियों पर गिन कर देख लीजिए, पुराने समयों में पांच आईएएस भी डेपुटेशन पर नहीं होते थे। दरअसल, दिल्ली में सिकरेट्री भी बायोमेट्रिक में अपना थंब लगाते हैं। जबकि, वे राज्यों के चीफ सिकरेट्री के समकक्ष होते हैं। वहां नौ बजे दफ्तर पहुंचने का टाईम है, लौटने का नहीं। जो अफसर अभी दिल्ली से लौटकर आए हैं, उनसे आप पूछ लीजिए वहां किस तरह काम होता है। कलेक्टर लेवल के अफसरों को गाड़ी शेयर करके ऑफिस आना पड़ता है। ज्वाइंट सिकरेट्री को एक गाड़ी मिलती है। मेम साहबों और बच्चों के लिए कोई व्हीकल नहीं। जबकि, छत्तीसगढ़ में किसी भी आईएएस के पास तीन से कम गाड़ी नहीं होती। अब सुनने में आ रहा कि बायोमेट्रिक सिस्टम लगाने के बाद जीएडी गाड़ियों की पड़ताल कराने वाली है...किसके पास कितनी गाड़ियां हैं। खजाने की स्थिति को लेकर वित्त महकमा भी चिंतित है। असल में, विभागीय पुल से अफसरों को एक ही गाड़ी मिलती है, उनके विभाग में बोर्ड और निगम होते हैं, उनसे 50 हजार से लेकर 75 हजार तक किराये पर वे गाड़ियां मंगवा लेते हैं। इसका बोझ आखिर जनता पर ही पड़ता है। मगर ये जीएडी की ज्यादती होगी...दिल्ली की बात अलग है। दो इंच जमीन से उपर रहने वाले नौकरशाहों से एक तो हाजिरी लगवाई जाएगी, और उपर से गाड़ियों की निगरानी, तो फिर क्या मतलब उनके आईएएस बनने का? आखिर कुछ ही लोग तो जनसेवा या कुछ कर गुजरने के लिए आईएएस बनते हैं, बाकी को आप देख ही रहे हैं...।

मंत्री होने का मतलब?

नेताजी लोग मंत्री आजकल जनसेवा के लिए लोग नहीं बनते। शपथ लेते ही एकमात्र ध्येय बन जाता है लूट-खसोट। 24 घंटे इसी गुनतारे में...कहां से कितना निकाल लें। अब देखिए न, पिछली सरकार के एक मंत्रीजी विभाग में लूटपाट मचाए ही जिस जिले का भी उन्हें प्रभारी मंत्री बनाया गया, उनके बेटे ने वहां डीएमएफ के सप्लाई का पूरा काम ले लिया था। इससे भी मन नहीं भरा तो मंत्रीजी ने अपने जिले में बंगलादेशी रिफ्यूजियों को सरकार से मिली जमीन को भी छल-कपट करके हड़प लिया। दरअसल, 1971 में सरकार ने जब जमीन दिया था, तब वह इलाका निर्जन था। मगर 50 साल में अब वो शहर के प्राइम लोकेशन पर आ गया है। कई बड़े बिल्डरों की नजरें उन जमीनों पर थी। मगर ऐसे काम की जगह पर पहला अधिकार मंत्रीजी का बनता था। सो, उन्होंने...। जबकि, बंगलादेश से आए लोगों को जीवन यापन के लिए इस शर्त पर जमीन दी गई थी कि सिर्फ गंभीर बीमारी के इलाज के केस में ही जमीन बेच सकते हैं। मगर मंत्रीजी के पास पावर था...उनके लोगों ने जोर-जबर्दस्ती कर डॉक्टरों से गंभीर बीमारी का पर्चा बनवाया। फिर आनन-फानन में कलेक्टरों से अनुमति दिलवा अपने रिश्तेदारों के नाम पर रजिस्ट्री करवा ली। चूकि बड़ा लैंड स्कैम था, इसलिए ईडी को शिकायत की गई। ईडी ने पिछले दिनों पूर्व मंत्री के यहां छापा मारा। छापे में काफी कुछ मिल भी गया है। यही वजह है कि कांग्रेस पार्टी ने पूर्व मंत्री को लोकसभा का टिकिट नहीं दिया। और बीजेपी इसी इंतजार में थी कि टिकिट दे कि जमीन घोटाला ओपन कर दिया जाए।

बीजेपी की वाशिंग मशीन

उपर में जिस पूर्व मंत्री के लैंड स्कैम का जिक्र किया गया है, वे जोगीजी के प्रिय रहे ही, पिछली सरकार में भी काफी प्रभावशाली रहे। मगर अब घपले-घोटाले में इस कदर घिर गए हैं कि उन्हें जेल जाने से बचने का एक ही रास्ता दिख रहा है बीजेपी प्रवेश। इसके लिए उनके करीबी लोगों ने कोशिशें भी शुरू कर दी है। बीजेपी के पास भी उस इलाके में कोई ढंग का नेता नहीं है। एक हैं तो उन्हें कोई पसंद नहीं करता। ऐसे में, बीजेपी को भी उस क्षेत्र में एक नेता की जरूरत है, जो जमीन पर रहे...महत्वाकांक्षी न हो। मगर दिक्कत यह है कि पूर्व मंत्री का बीजेपी प्रवेश हुआ तो छत्तीसगढ़ में भी वाशिंग मशीन से दाग धोने वाला आरोप मुखर हो जाएगा।

आईएएस की जांच

आचार संहिता के दौरान ट्रांसफर-पोस्टिंग के फेर में पड़े एक आईएएस की मुश्किलें बढ़ सकती है। सरकार के निर्देश पर स्पेशल सिकरेट्री चंदन कुमार ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक विवेचना में कई गंभीर तथ्य उजागर हुए हैं। ट्रांसफर में नियम-कायदों की धज्जियां उड़ा दी गई। देखना है, जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है।

निर्वाचन आयोग में पोस्टिंग-1

फर्स्ट वीक में आचार संहिता समाप्त होने के बाद सरकार को पहली पोस्टिंग राज्य निर्वाचन आयुक्त की करनी होगी। यह पद पिछले सात महीने से खाली है। कायदे से संवैधानिक पदों को खाली नहीं रखा जा सकता। उपर से तब, जब छत्तीसगढ़ में चार महीने बाद नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। रिटायर आईएएस ठाकुर राम सिंह आखिरी राज्य निर्वाचन आयुक्त थे। वे कार्यकाल का रिकार्ड बनाकर पिछले साल नवंबर में विदा हुए। उन्हें रमन सिंह की सरकार ने इस आयोग में ताजपोशी की थी। मगर आश्चर्यजनक तौर पर भूपेश बघेल सरकार ने छह साल का टेन्योर पूरा होने के बाद छह-छह महीने का तीन एक्सटेंशन दिया। चूकि नवबंर में विधानसभा चुनाव के आचार संहिता के दौरान उनका तीसरा छह महीने का एक्सटेंशन पूरा हुआ, इसलिए सरकार उनका कार्यकाल बढ़ा नहीं सकी। और तब से यह पद खाली है। इस साल नवंबर में सूबे में नगरीय सरकार का चुनाव है। सितंबर से चुनावी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इससे पहले मतदाता सूची तैयार किया जाएगा। लोकल चुनाव में सबसे बड़ा टास्क मतदाता सूची को फायनल करना होता है। सबसे अधिक इसी में खेला होता है, सारे नेता चाहते हैं अपने वार्डों में बाहरी लोगों का नाम जुड़वा दें, जिससे उनकी जीत सुनिश्चित हो जाए। चीफ सिकरेट्री अमिताभ जैन को इसके लिए कुछ करना चाहिए, ताकि शीघ्र इस पद पर नियुक्ति हो जाए। वरना, जितनी देरी होगी, मुश्किलें उतनी बढ़ेंगी।

निर्वाचन आयोग में पोस्टिंग-2

राज्य निर्वाचन आयुक्त का पद वैसे तो मुख्य सचिव रैंक का है। अधिकांश राज्यों में रिटायर चीफ सिकरेट्री को इस पद पर बिठाया जाता है। आईएएस अधिकारियों को स्टेट इलेक्शन कमिश्नर बनाने का मतलब यह होता है कि जिलों में कलेक्टर पोस्टिंग के दौरान उन्हें चुनाव कराने का अनुभव होता है। इसलिए, समझा जाता है कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव कराने में उन्हें दिक्कत नहीं जाएगी। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक बार रिटायर चीफ सिकरेट्री शिवराज सिंह राज्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं। वरना, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर से रिटायर आईएएस ही इस पद पर बिठाए गए। सबसे पहले डॉ0 सुशील त्रिवेदी, उनके बाद पीसी दलेई और फिर ठाकुर राम सिंह। इस समय सरकार को दिक्कत जाएगी कि इस समय कोई ब्यूरोक्रेट्स रिटायर नहीं है। हालांकि, पीसी दलेई ने रिटायरमेंट से छह महीने पहले वीआरएस लेकर इस पद पर अपनी पोस्टिंग करा ली थी। अब देखना है कि आगे रिटायर होने वाले कोई अफसर वीआरएस लेता है या फिर पहले रिटायर किसी अफसर को यह जिम्मेदारी मिलती है।

जीत का रिकार्ड

छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में किसको कितनी सीट मिलेगी, इसको लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। मगर एक दावा दिलचस्प है...वह है छत्तीसगढ़ से जीत का रिकार्ड बनने का। रायपुर लोकसभा से बीजेपी के बृजमोहन अग्रवाल सबसे बड़ी लीड अगर ना भी मिले तो भी टॉप फाइव में रहने की अत्यधिक संभावना है। इस दावे में दम इसलिए प्रतीत हो रहा कि बृजमोहन जीत के लिए चुनाव नहीं लड़े। शुरू से ही उन्होंने लीड पर टारगेट किया। उनके समर्थकों का कहना है कि भैया का जादू कांग्रेसी इलाकों में भी इस बार दिखेगा। क्योंकि, कांग्रेस के भीतर भी मोहन भैया का अच्छा प्रभाव है। फिर टिकिट मिलते ही माउथ पब्लिसिटी चालू हो गई थी, भैया रिकार्ड मतों से जीतेंगे। फिर, सिर्फ रायपुर दक्षिण ही नहीं, पूरे रायपुर में उनका प्रभाव है। जिनको वे मदद किए हैं या शादी-समारोहों, गमी में शरीक हुए हैं, उनके विधानसभा सीट से बाहर भी ऐसे लोगों की तादात काफी है। सो, ऐसे लोग बृजमोहन के लिए कार्यकर्ता से भी बढ़कर काम किए हैं। बृजमोहन के समर्थकों का कहना है, रायपुर संसदीय सीट पर करीब 17 लाख वोटिंग हुई है...मोहन भैया करीब सात लाख लीड से जीतेंगे। चलिए, चार जून को पता चलेगा कि रायपुर से बृजमोहन क्या वाकई जीत का रिकार्ड बनाएंगे।

अंत में दो सवाल आपसे

1. छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव का रिजल्ट 9/2 रहेगा या 11/0?

2. इन चर्चाओं में कितनी सत्यता है कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद चार नए मंत्री शपथ लेंगे?

जैकेट के शेष

एक बार और ....

हो जाए, इसके लिए भी वह हर तरह की चुनौती स्वीकार करने को तैयार है।

पति की मौत... फिर ....

तक साथ नहीं दिया और हृदय संबंधी बीमारी की वजह से 15 साल की उम्र में पांच साल पहले चल बसा। उसके बाद टूट चुकी आशा का सहारा केवल बेटी कुसुम थी, जिसे संभालना पहाड़ जैसी चुनौतियों से कम नहीं था। कुसुम के दोनों हाथ जन्म से ही अविकसित थे और आधे फीट के थे। इसके अलावा पिता और भाई की तरह वह भी हृदय की बीमारी से पीड़ित थी। पति और बेटे को खोने के बाद घर चलाने और बेटी के बेहतर भविष्य के लिए उसने अपने हालातों से समझौता किया और घर की देहरी लांघने का फैसला किया। आशा पढ़ी-लिखी थी नहीं, लेकिन अपना और बेटी का पेट पालना जरूरी था, सो उसने मजदूरी करना कबूल लिया और अपनी मां होने का कर्तव्य निभाने में जुट गई।

पैरों पर खड़ी हो यही सपना: आशा कहती है कि उसकी जिंदगी बेहद मुश्किलों से भरी है, मगर बेटी को पैरों पर खड़ा करने के लिए वह हर तरह की तकलीफ झेलने को तैयार है। पढ़ाई नहीं करने के कारण उसे मेहनत मजदूरी करनी पड़ रही है। वह चाहती है कि कुसम पढ़ लिखकर अपने पैरों पर खड़ी हो जाए। बेटी टीचर बनना चाहती है और उसकी इच्छा को पूरा करने के लिए वह आगे भी जी तोड़ मेहनत करने से पीछे नहीं हटेगी।

पेज एक के शेष

पीएम का 10 साल...

की जनता गदगद है। डॉ. यादव संगठन को जोड़ने और उसके समन्वय की अकूत क्षमता रखते हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से लेकर प्रदेश के शीर्ष पद पर पहुंचने के बाद वे लोकसभा चुनाव की कमान संभाल रहे हैं। वे प्रचार खत्म होने तक धड़ाधड़ चुनावी सभाएं कर रहे थे। उन्होंने 139 सभाएं की। 49 रोड शो किए। विधानसभा क्षेत्रों में 178 कार्यक्रम किए। एक दिन, एक क्षण का भी विश्राम नहीं। पीएम मोदी के जताए भरोसे के लिए वे परिश्रम की पराकाष्ठा पर हैं। उन्हें एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। चुनाव में एक योद्धा की तरह उतरे डॉ. यादव से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'।

उनसे सीधी...

ही। हमें 370 हटाना थी हटा दी। ये सब बहुमत के चलते ही संभव हुआ है। अब मध्य प्रदेश में भी इस बार पूरी 29 की 29 लोकसभा सीटें जीत रहे हैं।

सवाल : जब सब कुछ आपके पक्ष में है तो कांग्रेस नेताओं को क्यों भाजपा में ला रहे हैं?

जवाब : जिन कांग्रेस नेताओं को भाजपा की रीति-नीति पसंद आ रही है और वे हमसे जुड़कर देशहित में काम करना चाहते हैं तो हम उन्हें मना नहीं कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य ही जनसेवा है। आपने देखा होगा कि अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कांग्रेस ने जो स्टैंड लिया है वो कांग्रेस के लिए आत्महत्या जैसा है। इसे कोई पसंद नहीं कर सकता है। कई लोग इससे आहत होकर भाजपा में आ गए। आपको याद होगा कि एक समय हमारे केवल दो सांसद थे तब भी वे नहीं टूटे और अपनी विचारधारा पर अड़े रहे क्योंकि भाजपा में अपने विचारों पर अटल है। कांग्रेस में जब हताशा-निराशा आ गई तो लोग हमारे पास आने लगे है। हम उन्ही लोगों को अपने साथ ले रहे हैं जो राष्ट्र और राष्ट्र के लोगों को समझते हैं। आज जो कांग्रेसी हमारे साथ आ रहे हैं वे राष्ट्र और राष्ट्र निर्माण में दुनिया की सबसे बड़ी भाजपा पार्टी का साथ देना चाहते हैं।

सवाल : हाल में भाजपा में आए पूर्व कांग्रेस नेता रामनिवास रावत ने कहा है कि मोहनजी से दोस्ती के कारण पट्टा पहन लिया हमने पार्टी नहीं छोड़ी?

जवाब : टेक्नीकली रूप से अभी रावत जी ने इस्तीफा नहीं दिया है। ऐसे में लोग उन्हे फंसाने की कोशिश तो करेंगे। और वो खुद को बचाने की कोशिश भी करेंगे। आप बताइए कि रावत जी ने भाजपा के लिए 20-20 सभाएं की हैं। चुनाव प्रचार कर रहे हैं तो कहीं कोई संशय नहीं होना चाहिए। मैं आपसे पूछता हूं कि रावत जी कहां चले गए। भाजपा में तो हैं न। इसलिए, कहीं कोई संशय की स्थिति नहीं है।

सवाल : क्या आप मोदीजी पर ही निर्भर है। बीते चार माह में आपने क्या किया?

जवाब : देखिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में सरकार चल रही है। ये डबल इंजन की सरकार है। पिछले तीन महीने की बात करें तो प्रशासनिक कसावट से लेकर तीन तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना जिसमें तात्याटोपे विश्वविद्यालय गुना, टंटया मामा विश्वविद्यालय खरगोन और रानी अवंति बाई विश्वविद्यालय सागर शामिल है। इसके अलावा एयर एंबुलेंस एग्रीमेंट, एयर टैक्सी लगाना और धार्मिक स्थलों पर सुगमता से पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर की सुविधा जैसे कई प्रमुख काम राज्य सरकार के रहे हैं। दस हजार लोगों को नियुक्ति पत्र aदेना और एमपीपीएससी से चयनित 800 लोगों को एक साथ नियुक्ति दिलाने का भी काम मप्र की भाजपा सरकार ने किया है। इसी तरह खुले में मांस मछली बेचना और ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन का पालन कराने समेत करीब सौ से अधिक ऐसे काम हुए हैं जिसे मध्य प्रदेश की जनता ने स्वीकार किया है और राज्य की जनता इन कामों को समझती है तभी तो भाजपा का साथ दे रही है। आप आगे भी देखिए, प्रदेश का एक-एक व्यक्ति भाजपा के साथ खड़ा रहेगा। प्रशासनिक कसावट में हमने अधिकारियों को अलग अलग जिम्मेदारी दे रखी है जिसके कारण कहीं कोई भ्रम की स्थिति नहीं रहती है। इस आशय की प्रशंसा खुद कांग्रेस ने विधानसभा के अंदर की है।

सवाल : क्या लोकसभा चुनाव के बाद डॉ. मोहन यादव की टीम में कोई परिवर्तन होगा?

जवाब : देखिए, चुनाव के बाद स्वाभाविक रूप से परिवर्तन होता है तो यहां भी ऐसे परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। चुनाव परिणाम आने के बाद तय करेंगे क्या करना है। मंत्रिमंडल के साथ और भी कई नियुक्तियां होनी हैं।

धमतरी के भैंसामुड़ा के...

माओवादियों की मौजूदगी की सूचना जवानों को मिली थी, जिसके बाद धमतरी, नगरी डीआरजी और गरियाबंद की संयुक्त टीम एंटी नक्सल ऑपरेशन पर निकली थी। उसी दौरान नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई, इस एनकाउंटर में जवानों ने एक नक्सली को ढेर कर दिया है।

भाजपा की डबल इंजन...

यहां चौबीस वर्षों से नवीन पटनायक की सरकार है, मगर दुर्भाग्य कि कि वो यहाँ के किसान, मजदूर, गरीबों की भावनाओं को समझने में विफल रहे हैं। लोग कहते हैं कि ओडिशा की सरकार को नवीन बाबू नहीं कोई पांडियन चला रहा है। यह बड़ी विचित्र बात है। कालाहांडी लोकसभा के नुआपाड़ा और जूनागढ़ में जनता के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री साय ने बीजेडी सरकार को घेरते हुए कहा कि ओडिशा में खनिज सम्पदा, वन सम्पदा भरपूर है। यहाँ की मिट्टी उर्वरा शक्ति से भरपूर है, यहाँ मेहनतकश किसान हैं। लेकिन ओडिशा का जैसा विकास होना था, उन्नति होना था वैसा नवीन बाबू की सरकार ने नहीं किया। उल्टे केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं को यहाँ लागू होने रोका। उन्होंने केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ आम आदमी को न मिलने का आरोप लगाया और कहा बीजेडी सरकार ने केंद्र की योजना का नाम बदलकर बीजू स्वास्थ्य योजना कर दिया। लेकिन राज्य के प्राइवेट हॉस्पिटल में इसका लाभ गरीबों को नहीं मिलता है। यह दुर्भाग्यजनक है।

गिनाए डबल इंजन सरकार के फायदे : छत्तीसगढ़ की अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए सीएम ने कहा कि मात्र 4 महीने में उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी, 12 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया, 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी और अंतर की राशि 13,320 करोड़ रुपए 24.72 लाख किसानों को देने का काम किया। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने के पहले सप्ताह में 70 लाख से ज्यादा माताओं-बहनों के खातों में एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि देने की भी बात भी कही।

विक्रम केशरी देव मेरे साथी सांसद रहे - साय : सीएम साय ने कहा कि कालाहांडी लोकसभा की भाजपा प्रत्याशी मालविका देवी जी हैं। इनके ससुर विक्रम केशरी देव जब सांसद थे तो मैं भी सांसद था। हम लोग एक साथ सांसद के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने आगामी 13 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर मालविका देवी को जिताने का आग्रह जनता से किया।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा का अटूट रिश्ता : श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा का आपस में अटूट रिश्ता है। छत्तीसगढ़ के लोग महाप्रभु जगन्नाथ के भक्त हैं। हर साल रथयात्रा का आयोजन करते हैं और भगवान जगन्नाथ को पूजते हैं, साथ ही छत्तीसगढ़ के देवभोग के चावल का प्रसाद भी पूरी में महाप्रभु को चढ़ता था। उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र कुनकुरी से लेकर बस्तर तक ओडिशा से छत्तीसगढ़ के जुड़े रहने की बात कही।

आदिवासी विरोधी हैं बीजेडी...

अलग से आदिम जाति कल्याण मंत्रालय बनाया, जहाँ आदिवासी मंत्री पदभार संभालते हैं और बजट की कोई कमी नहीं होती है। आज आपके ओडिशा की एक आदिवासी परिवार की बेटी, बहन द्रौपदी मुर्मू जी देश की राष्ट्रपति हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का दायित्व नरेंद्र मोदी जी ने मुझे सौंपा है। इसलिए हम कह सकते हैं कि आदिवासियों का हित भाजपा में ही सम्भव है। क्योंकि भाजपा में लोकतंत्र है, कार्यकर्ताओं का सम्मान है। जबकि अन्य पार्टियों में परिवारवाद है, अयोग्य लोग ही पार्टी में अपना प्रभुत्व चला रहे हैं।

बर्खास्त आरक्षक के...

रिमांड अवधि के दौरान की गई पूछताछ में उससे कई अहम सुराग मिले थे। इन सुरागों के आधार पर ही ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार को रिमांड अवधि खत्म होने के बाद भी अर्जुन यादव को विशेष कोर्ट में पेश करने के बाद पुनः 5 दिन के लिए रिमांड पर लिया है। पूछताछ के बाद ईओडब्ल्यू ने शनिवार को इस केस में बड़ा खुलासा किया है। इस खुलासे में बताया गया है कि आरोपी अर्जुन ने स्वीकार किया है कि वह 20 से अधिक महादेव एप के पैनल का संचालन कर रहा था, जिसमें से वर्तमान में 4 पैनल श्रीलंका और 1 पैनल कोलकाता में चल रहा है। इस जानकारी के आधार पर रायपुर पुलिस की टीम कार्रवाई के लिए कोलकाता के लिए रवाना हुई है।

मोदी का बिहार में पहला और अब तक का सबसे लंबा रोड शो आज

नई दिल्ली। पटना में आज 12 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रोड शो करेंगे। जानकारी अनुसार पीएम मोदी कल दोपहर दो से ढाई बजे पटना पहुंचेंगे। इसके बाद पीएम राजभवन जाएंगे। जहां पीएम ठहरेंगे, जलपान करेंगे। जिसके बाद रोड शो करेंगे। बता दें कि, पीएम मोदी पहली बार पटना में रोड शो करने वाले हैं। साथ ही यह अब तक का सबसे लम्बा रोड शो भी होने जा रहा है। पीएम 2.6 किलोमीटर रोड शो करेंगे। रोड शो में पटना साहिब के पार्टी प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद, पाटलिपुत्र के प्रत्याशी रामकृपाल यादव के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्टी पर, टांसिल बढ़ने पर, कूल्हा वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, खटमल पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देशावर सरोदे
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — Makeover — मो. 94252-14479, 0771-4020411 — www.makeoverraipur.com
सत्यनारायण मेमोरियल हेल्थ केयर — डॉ. संजीव कुमार सिंह — मो. 9669109366, 7992636477 — ग्राउण्ड फ्लोर ऑर्बिट कॉम्प्लेक्स, सुन्दर नगर, रायपुर - 492001
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल — फोन: 0771-4044551 — समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ — मो. 7999450384, 7042974029
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मो. 9977247553
अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। — डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — 7987225800, 9301744425
डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Diabetes & Thyroid care centre — 7724035770, 9329004557, 9303724304
मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल — छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर — 9644099925
वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर — राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर — मो. 9039050422
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

शब्द पहेली - 5508

बाएं से दाएं
1. आदत से मजबूर-4
5. एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8. हवा, समीर-3
9. रुष्ट, गुस्सा होना-2
11. सफेद, श्वेत-3
12. हमेशा, सदैव-4
14. मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15. सिर्फ, महज-3
17. अनाज का कण-2
19. आधुनिक, नया-5
22. एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25. सदैव-2
26. ध्वजा-3
27. अधिकार-2
28. असमकक्ष-4
30. चिलमन, नकाब-3
31. वायु रोग-2
33. नल, टोंटी-3
35. आवश्यकता-4
36. शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2. राजनीतिक पार्टी-2
3. नीच, अपराधी-4
4. बिजली कौंधना-5
5. बंदर, मर्कट-3
6. जूं का अंडा-2
7. दक्षता, होशियारी-4
10. उपकार, दया भार-4
13. कुचलना, दबाना-3
16. आमदनी-3
17. मूल्य, कीमत-2
18. वाद्य यंत्र-2
20. बहादुरी-3
21. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22. नाज, नखरा-2
23. उत्तराधिकारी-3
24. आधुनिकता-4
25. झिझकना-5
26. हौसला, ताकत-4
28. शत्रुता, दुश्मनी-4
29. हूर, परी, अप्सरा (उर्दू-3)
32. पेडू, दस्ता-2
34. औषधि-2

शब्द पहेली- 5507 का हल

सूडोकू नवताल- 5519

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

सूडोकू नवताल- 5518 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

कानूनी पचड़े में फंसी करीना

जानकारी के मुताबिक, बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान की मुश्किलें बढ़ सकती है। हाईकोर्ट ने करीना को नोटिस जारी किया है। उनकी किताब के टाइटल को लेकर आरोप लगाए गए हैं कि एक्ट्रेस ने किताब के नाम में 'बाइबल' शब्द का इस्तेमाल कर ईसाई समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

एक्ट्रेस ने जुलाई 2021 में अपनी किताब 'करीना कपूर खान्स प्रेग्नेंसी बाइबल' को लॉन्च किया था। अब इस किताब के नाम को लेकर वो कानूनी पचड़े में फंस गई हैं। एक वकील ने किताब के टाइटल में 'बाइबल' शब्द का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई और एक्ट्रेस के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। ऐसे में करीना को कोर्ट से नोटिस भेजा गया है। जबलपुर सिविल लाइन निवासी क्रिस्टोफर एंथोनी ने हाईकोर्ट में करीना कपूर खान के खिलाफ मामला दायर कर उनपर आपराधिक मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

क्रिस्टोफर एंथोनी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि करीना कपूर खान ने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की मंशा से किताब को लिखा है। किताब के कवर पर 'बाइबल' शब्द का इस्तेमाल आपत्तिजनक है। एंथोनी की याचिका के बाद जस्टिस गुरपाल सिंह अहलूवालिया की सिंगल-जज बेंच ने करीना कपूर खान को नोटिस भेज दिया है। याचिका में किताब एंथोनी ने इस किताब पर बैन लगाने की मांग भी की है। ऐसे में कोर्ट ने किताब बेचने वाले सेलर्स को भी नोटिस भेजा गया है। बताया जा रहा है कि 1 जुलाई को मामले की अगली सुनवाई होना संभावित है। करीना कपूर खान की किताब 'करीना कपूर खान्स प्रेग्नेंसी बाइबल' 2021 में लॉन्च हुई थी। इस किताब में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी के बारे में बात की थी। साथ ही नई मांओं और जल्द मां बनने वाली महिलाओं को मदरहुड और बच्चों का ख्याल रखने की टिप्स भी दी थी।

7 घंटे तक एक ही जगह बैठी रहीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। मनीषा कोराइला ने अपने करियर की शुरुआत साल 1991 में आई फिल्म 'सौदागर' से की थी। करियर की पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने टैलेंट और अपनी खूबसूरती से लोगों का दिल जीत लिया था। इन दिनों वह भंसाली की सीरीज हीरामंडी में मल्लिका जान की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस रोल के लिए एक्ट्रेस ने जी तोड़ मेहनत की है।उन्होंने बताया कि सीरीज के एक सीन के लिए जिसमें उन्होंने हाथों में मेहंदी लगाई हुई है। इस एक सीन के लिए वह सात घंटे तक एक ही जगह बिना हिले बैठी रही थी। क्योंकि वह इस सीन परफेक्ट करना चाहती थीं और उस किरदार के बारे में जानना चाहती थीं और उसे समझना चाहती थी।

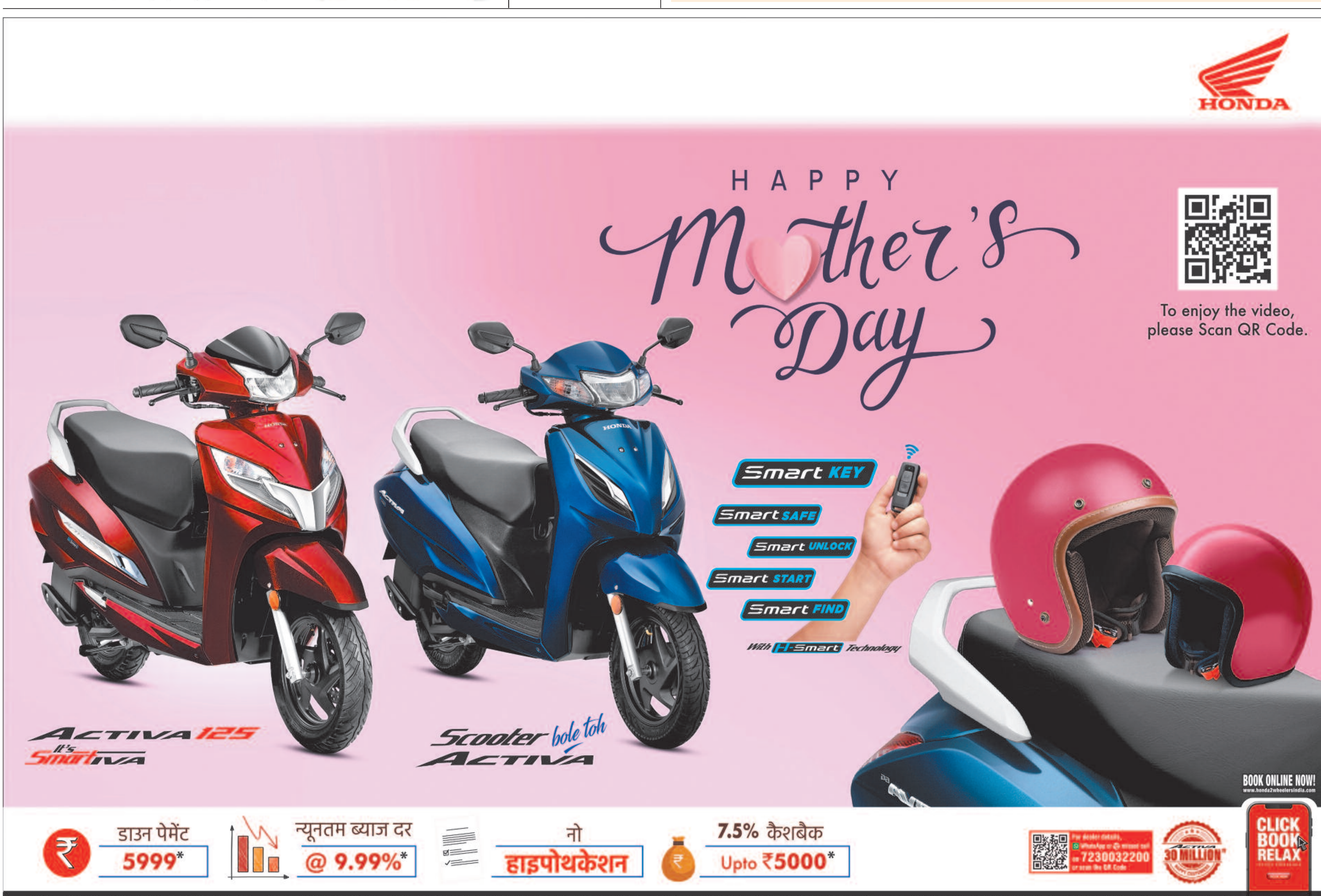

होंडा अधिकृत विक्रेता : रायपुर : ए सिटी होंडा - 9109133001, ग्रैंड होंडा - 0771-4033794, वरूण होंडा - 0771-4005901, जी.के. होंडा - 8058254444, आरंग: वी श्री होंडा - 9893728947, भिलाई: आन होंडा (पॉवर हाऊस): 0788-4013336, नंदिनी रोड (बैंक ऑफ बडौदा के पास) - 626909005, हाऊसिंग बोर्ड (एकता चौक) 6269090006, जुनवानी रोड (माईलस्टोन स्कूल) - 8305224906, दुर्ग: श्री सांईराम होंडा - 0788-4017246, 8458882333, बोरसी - 8458880444, रिसाली - 9340000620, राजनांदगांव: अंशदीप होंडा - 07744-223100, मनराज होंडा - 07744-223333, महासमुंद: श्री आर्यन होंडा - 9425204997, दल्लीराजहरा: श्री शुभ होंडा - 7587764225, 9406082344, बलौदा बाजार: किरण होंडा - 7049518181, कवर्धा: प्रथा होंडा- 7400550099, बेमेतरा : श्री रामा होंडा - 7824222521, धमतरी: श्री श्याम होंडा- 07722-233255, जगदलपुर: वाहेगुरू होंडा - 8435090001, कोंडागांव: दंतेश्वरी होंडा- 8517909999, कांकेर : शिवनाथ होंडा - 07868 241600
For Bulk / Institutional enquiries, please write us at : institutionalsales@honda2wheelersindia.com
Embassy

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल 'नेशनल ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट प्रोवाइडर' कोर्स का आयोजन

रायपुर। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के इमरजेंसी विभाग के एचओडी डॉ संतोष कुमार सिंह के द्वारा 3 दिवसीय 'नेशनल ट्रामा लाइफ सपोर्ट प्रोवाइडर' कोर्स का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न अस्पताल के डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टॉफ एवं पैरामेडिकल स्टॉफ ने सड़क दुर्घटना के बाद प्री-हॉस्पिटल ट्रांसपोर्टेशन और अस्पताल पहुंचने के पश्चात घायल मरीज के इलाज संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का तीन दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम किया। प्रशिक्षण में प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ. श्रीनाथ कुमार, रामकृष्ण केयर अस्पताल के आपातकालीन विभाग के एचओडी डॉ संतोष कुमार सिंह, डॉ. शेख मनजूर इलाही, डॉ. अजय कुमार मिश्रा, डॉ रामानी सेकर, की टीम के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। डॉ संतोष कुमार सिंह ने बताया कि रामकृष्ण केयर अस्पताल छत्तीसगढ़ प्रदेश में सुपर स्पेशलिटी ट्रॉमा सेंटर के रूप में स्थापित एक विख्यात नाम बन चुका है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाएं अनचाही एवं अघोषित होती हैं, किसी भी दुर्घटना के तत्पश्चात यदि मरीज को सही समय पर जिसे हम मेडिकल की भाषा में गोल्डन आवर्स के नाम से भी जानते हैं इस गोल्डन ऑवर में यदि मरीज को पर्याप्त प्रारंभिक चिकित्सा मिल जाए या मरीज सही तरीके से अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो उसके बचने के आसार बढ़ जाते हैं, इसी उद्देश्य से हमने यह ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाया है।

साबा इंफ्रावेंचर्स के मेगा रेसीडेंशियल प्रोजेक्ट एसबी सेंट्रम की हुई भव्य लॉन्चिंग

रायपुर। रियल एस्टेट की अग्रणी कंपनी सा.बा इंफ्रावेंचर्स के मेगा रेसीडेंशियल प्रोजेक्ट एसबी सेंट्रम की भव्य लॉन्चिंग शनिवार को हुई। लॉन्चिंग के पहले दिन लोगों का काफी अच्छा रिस्पांस देखने को मिला। जहां प्रदेशभर से विजिटर्स ने साइट विजिट कर स्पाट बुकिंग की। सा.बा. इंफ्रावेंचर्स के डायरेक्टर संजय बघेल के अनुसार रायपुर और भिलाई के मध्य चरोदा स्थित एस.बी सेंट्रम का निर्माण विश्व स्तरीय मानक को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। जहां न केवल विश्वस्तरीय कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है बल्कि विश्वस्तरीय बंगले का भी निर्माण किया जा रहा है। जिसके तहत इलेक्ट्रिसिटी, सीवरेज एवं स्ट्रोम वाटर का काम अंडरग्राउंड किया जा रहा है।

लॉन्चिंग के पहले दिन लोगों का काफी अच्छा रिस्पांस रहा

रायपुर और भिलाई के मध्य स्थित है सर्वसुविधायुक्त विश्वस्तरीय कॉलोनी

साथ ही यहां बच्चों के लिए चिल्ड्रन थीम पार्क, बड़ो के लिए सर्वसुविधायुक्त क्लब, जिम, मल्टीपर्पस हॉल, स्क्वाश कोर्ट, इंडोर गेम्स, स्विमिंग पूल, लॉन टेनिस कोर्ट, गार्डन आदि की सुविधा है। परिसर के अंदर एक 8000 वर्गफीट एरिया पर भव्य मंदिर भी प्रस्तावित है। कॉलोनी के सुरक्षा के लिए 24/7 सर्विलेंस कैमरे को भी लगाया गया है। कंपनी की अन्य डायरेक्टर संजना बघेल ने कहा कि संजय बघेल के अनुभव व उनकी अपनी आधुनिकता इस कॉलोनी को बाकियों से अलग बनाता है यह कॉलोनी निश्चित रूप से सारी सुविधाओं से परिपूर्ण रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि एस.बी सेंट्रम के नजदीक डीपीएस का भी निर्माण हो रहा है और आने वाले समय में यह एजुकेशनल हब बनेगा। बता दें कि एसबी सेंट्रम की लॉन्चिंग 11 से 12 मई तक है। जहां आप विजिट कर अपने सपनो का बंगला बुक करा सकते है।

---

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment
आवश्यकता

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- प्रशिक्षित व अनुभवी स्टाफ ए.एन.एम., जी.एन.एम., बी.एस.सी., नर्सिंग व कम्प्यूटर ऑपरेटर, आर.एम.ओ (RMO) (Duty DR.) टेलीकॉलर (महिला) व एम.आर.डी.व OT Technician स्टॉफ की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार। श्री कृष्णा हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ संपर्क करें:- 9691631006, 9926115911.(RO-874)

असिस्टेंट

आवश्यकता है- एक असिस्टेंट अकाउंटेंट की जो की Tally ERP एवं MS Office की जानकारी रखता हो। संपर्क करे जैन ट्रेडर्स आकृति विहार अमलीडीह रायपुर फोन नंबर 07714075490 मोबाइल 7469980000. (RO-977)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर सिविल लाइन के फार्मा कंपनी के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। उम्र 18-26 पढ़ाई -12th/ ग्रेजुएट ,सैलरी 10000 - 22000, NO-FEE, संजय सर mo 73853 64112, 96731 47699.(Ro-467)

सेल्सगर्ल/सेल्समैन

आवश्यकता है- डोन्डेकला रायपुर में सेल्समैन की आवश्यकता है, जो ऑटोमोबाइल लाइन में काम किया हो एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर टेली, बिलिंग कार्य अनुभवी और ऑफिस ब्वॉय की आवश्यकता है संपर्क करें:- 9301703000. (RO-2727)

आवश्यकता है- (आरजू मोटर्स)- ई रिक्शा शोरूम में सेल्सगर्ल/ सेल्समैन की आवश्यकता है। योग्यता-12वीं पास ,वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें -बिहार होटल के बाजू पावर हाउस भिलाई मो.- 93003-76522, 89627-21710.(Ro-464)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोलबाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-2790)

सफाई कर्मी

आवश्यकता है- घर में साफ सफाई के लिए काम करने के लिए महिला/ पुरुष वेतन 9,000 महीना, फार्म हाउस में काम करने के लिए पति पत्नी वेतन 12,000 महीना एवं ड्राइवर 10 पद वेतन 12,000 महीना आवास उपलब्ध पानी, बिजली निःशुल्क (देवपुरी, रायपुर) 8448107841, 9302708426.(RO-2724)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- नर्सिंग स्टाफ/ चिकित्साकर्मी नर्सिंग स्टाफ-3, OT नर्स/ ब्रदर & OT Technician की आवश्यकता है। Min. Exp.-3 साल Salary अनुभव के अनुसार (Rs 12000 से 18000) CV के साथ सम्पर्क करें- 10am से 7pm अग्रवाल प्लास्टिक सर्जरी सेन्टर, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेढ़ी नाका, रायपुर 9575042809 (RO-84021)

सुरक्षाकर्मी

आवश्यकता है- निःशुल्क भर्ती इस्लितरा रायपुर हेतु सुरक्षा कर्मी से डायरेक्टर तक। संपर्क करें- ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर मोबाइल नंबर:- 7746000016, 7747000016, 7747000019.(RO-2732)

आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र, भिलाई, हथखोज में 15 सुरक्षा गार्ड अनुभवी हट्टे-कट्टे तुरंत चाहिए, वेतन-12000/-भिलाई संपर्क करें:-93292-80863, 78980-03111, 0788-3556724.(Ro-469)

कुक

आवश्यकता है- खाना बनाने एवं घरेलू कार्य करने हेतु ईमानदार लड़की/ महिला की आवश्यकता है। रहने खाने की सुविधा फ्री , वेतन योग्यतानुसार , परित्यक्ता ,विधवा, बेसहारा को प्राथमिकता । संपर्क करें- 88393-04037, 74890-17986.(Ro-6333)

अकाउंटेन्ट

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अकाउंटेंट की आवश्यकता हैं,अनुभवी को प्राथमिकता,वेतन योग्यतानुसार,संपर्क करे । सी पी फैशन,पंडरी, रायपुर 9993079599.(RO-74)

कम्प्यूटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- एल जी इलेक्ट्रॉनिक्स सर्विस सेंटर में कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्कता है। लड़के एवं लड़की दोनों संपर्क करे। पंडरी के मार्ट के पास,मोबाइल 7566600066, 9826190214. (RO-74)

हेल्पर/इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- भिलाई क्षेत्र में हेल्पर एवं ट्रेंड इलेक्ट्रिशियन की आवश्यकता है रहने और खाने की सुविधा उपलब्ध है । अनुभव को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें मो.-93290 24361, 83197 62996.(Ro-466)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्राइवर

आवश्यकता है- वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में निजी/ घरेलू वाहन चलाने हेतु ड्राइवरों, की आवश्यकता है कम से कम 10 वर्ष अनुभवी, गुटका व कोई भी तरह का नशा न करने वाले व्यक्ति संपर्क करें- 9300593000. (RO-1206)

आवश्यकता है- माल वाहक (पीकअप) आदी गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी हैवी लायसेंस धारी ड्राईवर की आवश्यकता है। संपर्क करें:- अतुल जैन, शुभम के मार्ट, कमल विहार, देवपुरी, रायपुर 9425231640. (RO-385)

डाटा ऑपरेटर

आवश्यकता है- रोजगार समाचार हिंदी ऐप में फ्रेशर डाटा एंट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है जिसे हिंदी एवं अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान हो वेतन 7 से 10000 संपर्क 9907072232 आदर्श नगर कविता मेडिकल के बगल में दुर्ग (RO-A)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- पम्प एवं नल फिटिंग पाइप दुकान में काम करने हेतु आवश्यकता, सैलरी 10000-12000, हमाल की सैलरी 15000, बजाज एंटरप्राइजेज स्टेशन रोड रायपुर 9644433085, 9425843865. (RO-4414)

कारीगर/फिटर

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिक कंट्रोल पैनल बोर्ड बनाने हेतु अनुभवी कारीगर 8, फिटर वेल्डर 8, हेल्पर 10, एवं वायरिंग हेतु PLC DRIVE Synchronizing panels 5 साल अनुभवी, इलेक्ट्रीशियन 6, (हेल्पर ITI) 5, ऑफिस हेतु ऑटोकैड में इलेक्ट्रिकल डिजाइनर 3, एवं सेल्स मार्केटिंग अनुभवी 5 वर्ष सम्पर्क:- विश्वकर्मा स्टील इंडस्ट्रीज टाटीबंध रायपुर 9752611000, 7583880000, 9425516676.(RO-2726)

सेल्स मैनेजर

आवश्यकता है- जीरो-बी हाइड्रोलाइफ कम्पनी में अल्कलाइन वाटर मशीन के सेल्स हेतु सेल्स मैनेजर की जरूरत है कार्यक्षेत्र बिलासपुर, रायपुर, भिलाई, रायगढ़, कोरबा, अंबिकापुर MBA एवं अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी 25000 इन्सेंटिव 10000 सम्पर्क करें- सागर गोल्ड स्क्वायर काम्प्लेक्स मंगला चौक बिलासपुर 9098909818, 7000763717.(RO-34060)

ड्रायवर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- फटाका दुकान में काम करने हेतु 12वी पास लड़का एवं ड्राईवर की आवश्यकता है। सम्पर्क- तापड़िया फटाका, नेमी चंद गली, तेलघानी नाका चौक, रायपुर (RO-427)

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
तो हमसे जुड़िए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधू चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.1980, 6 फीट, MBBS अविवाहित डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु B.Sc, B.com B.A. शिक्षित, अविवाहित, घरेलू, संस्कारी, सुन्दर एवं गृहकार्य में दक्ष, सजातीय, अपर कास्ट, मध्यमवर्गीय, निर्धन (शिक्षित परिवार) की वधु चाहिए (ब्यूरो क्षमा)
संपर्क करें 9131453175

वधु चाहिए

वधू चाहिए
बंगाली, इंजीनियरिंग, एमबीए एकलौते लड़के के लिए सुन्दर सुशील ग्रेजुएट वधू चाहिए 31 वर्ष, हाइट- 5'-4" रंग सांवला पैतृक पश्चिम बंगाल वर्तमान बिलासपुर (छ.ग.)
संपर्क करें 7529977997 9827954228

वधु चाहिए

मुस्लिम वधु चाहिए
मुस्लिम (सुन्नी) लड़का 38 वर्ष, ऊँचाई 5'5" खुद का बिजनेस एवं मकान, तलाकशुदा (बच्चे नहीं) लड़के के लिए अच्छे परिवार से शिक्षित लड़की चाहिए।
संपर्क करें 9303903469

वर चाहिए

वर चाहिए
उम्र 32वर्ष सरकारी कर्मचारी जाति बंधन नहीं है गरीब हो या अमीर मुझे अच्छा लड़का चाहिए घर जमाई, तलाक खुदा, विधुर नौकरीपेशा व्यावसायिक मान्य, मैरिज ब्यूरो क्षमा करे
सम्पर्क करे- 9993738069

वर चाहिए

वर चाहिए
जाति बंधन नहीं अकेली विडो महिला शिक्षा ITI, PG, उम्र 13/01/1976, व्यवसाय होलसेल दुकान मासिक आय 300000/- सभी मान्य है जरूरतमंद एवं रिलेशनशिप के लिए भी कॉल करें
9179472796 9754918238

वर चाहिए

वर चाहिए- सतनामी (मधुकर कन्या) 32, 5' 2'', MA हिंदी आईटीआई ,सीटीआई, कन्या हेतु वर चाहिए। अन्य जाति भी मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क मो.-78989-70604 (468)

हेल्पर

आवश्यकता है- ढाबा में काम करने हेतु सप्लायर, हेल्पर, तन्दूर मास्टर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हाईकोर्ट के आगे रायपुर रोड, बिलासपुर 700094962, 9098976666. (RO-34083)

अकाउंटेन्ट

आवश्यकता है- ऑफिस अकाउंटेंट व सीमेंट मार्केटिंग हेतु अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है(दुर्ग,बालोद) सैलरी अनुभव व योग्यतानुसार सपंर्क करें। B.205 महालक्ष्मी मार्केट पुलगांव चौक दुर्ग मो.70006-29121, 91796-54789.(Ro-470)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9300629026, 9300129026.(RO-1404)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- टेलीकालिंग ऑफिस कार्य हेतु 20 से 28वर्ष के अविवाहित लड़के चाहिए, वेतन 7000+ कमीशन+ बोनस, रहना खाना फ्री ट्रेनिंग पश्चात कमाए 12000 से 15000 महीना सम्पर्क- टिकरापारा बिलासपुर 9685471225, 6266578863. (RO-34074)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- उज्जैन (MP) में रहकर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के 10वीं, 12वी स्नातक पास लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ रहना फ्री, कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क- 9993044523, 6261002191. (RO-34075)

हरिभूमि क्लासीफाईड

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 8420183092, 9883460031. (RO-178)

आवश्यकता है- एयरपोर्ट (HEAD OFFICE) हेतु सीधी भर्ती (पक्की परमानेंट नौकरी) अनपढ़ से ग्रेजुएट लड़के-लड़कियां तुरंत आवश्यकता (वेतन 28500 से 72900/-) सुपरवाइजर, ग्राउंड स्टाफ, ड्राइवर, पेकर, हेल्पर, गार्ड (रहना +खाना +मेडिकल फ्री) रायपुर संपर्क:- 07827124935. (RO-2706)

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (18000-55000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ SMS/ WhatsApp/ करें - 07903284986.(RO-158)

Property
प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है-नवनिर्मित स्वतंत्र मकान सर्व सुविधायुक्त, बोरवेल, मॉड्यूलर किचन 1 BHK 750sqft डायवर्टेड, लेआउट अप्रूव्ड, रावतपुरा फेस 1 भाटागांव बस स्टैंड के पास रायपुर चिराग जैन 9300017100. (RO-4413)

मकान बेचना है- महासमुंद में डबल स्टोरी मकान 2000 फीट एकता चौक के पास दुकान सहित 95 लाख में, एवं 2000 फीट कलेक्टरेट रोड के पास 85 लाख में बेचना है । 9907826124, 7974486019.(RO-07)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - दुर्ग अंजोरा- रायपुर भारतमाला हाईवे से थोड़ी ही दूरी पर, खिरेझर मे मात्र 111/- फीट मे फार्म हाउस हेतु उपयुक्त 11000 sqft. भूमी उपलब्ध। मो.- 99931-35732. (Ro-465)

For Rent
किराया

किराये से देना है- रायपुर पचपेड़ीनाका नव जीवन सोसायटी पाण्डेय हाउस नंबर 61, 2 BHK और 1 सिंगल रूम अटैच लेटबाथ किराये से देना है, सरकारी कर्मचारी और स्टूडेंट को प्राथमिकता, किराया पर आके बात करें:- 9826242403. (RO-2728)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

अब आप पायेंगे अपना एक सच्चा हमसफर...
हरिभूमि वैवाहिकी (प्रति रविवार)
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन एक साथ प्रकाशित किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें- 7987119756, 6263818152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि CLASSIFIED RATE CARD

EDITION	Appointment	Service/Business	Property	Display
Raipur City	400	500	460	175/- Sq.cm
Bhilai + Durg Edition	350	450	460	150/- Sq.cm
Bilaspur City	335	385	410	140/- Sq.cm
Raipur All Edition	530	650	640	240/- Sq.cm
Bilaspur All Edition	440	490	530	185/- Sq.cm
All CG	800	920	950	320/- Sq.cm
All CG + MP	1080	1350	1320	330/- Sq.cm
All Edition	1550	1700	1600	380/- Sq.cm

WANTED Display Scheme 3+1, 3+2, 5+4

Colour 20% Extra Charge For Disply

SCHEME

ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm

5% GST for All Ad

MATRIMONIAL CG+MP

(Running Matter)	(Size 5x5 Box)
400 /- 1 Sunday	500 /- 1 Sunday
700 /- 2 Sunday	900 /- 2 Sunday
900/- 3 Sunday	1200/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

ईलाज की गारंटी पैसा ठीक होने के बाद

- गुप्त रोग नामर्दी, लिंग में छोटापन ।
- शीघ्र पतन पेशाब से धातु जाना ।
- लिंग में ढीलापन, शुक्राणु की कमी ।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी ।
- आयुर्वेदिक द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें ।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
- निःसंतान दम्पति आज ही मिले ।

आज ही संपर्क करें
श्रीकांत आयुर्वेदिक जड़ीबुटी भण्डार
दुर्ग में शॉप नं. 16, पारख कॉम्पलेक्स, पेट्रोल पम्प के सामने, ठगा चौक
रायपुर में स्टेशन रोड, श्रीमान होटल के सामने
9174440077 9009330088

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज

संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाउस अंबेडकर चौक, ली मार्ट के सामने, बस स्टैंड, भिलाई
प्रतिदिन : सुबह 9 से शाम 7 बजे रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये । सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये ।
लाभ नही तो पैसे वापिस ।
08116592844

हर्पिस रोग एक लाईलाज बीमारी

सुविख्यात चिकित्सक

महफूज रखने बच्चों का बचपन, थाम लिया संघर्ष का दामन

मैं मधु अरोरा . छग महिला चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की अध्यक्ष। बतौर मां मुझे लगता है कि बच्चों की शिक्षा सबसे जरूरी होती है। यही जीवन का आधार बनती है। जब पति की मृत्यु हुई तब बेटा कॉलेज में था और पढ़ाई कर रहा था। उस वक्त मैंने फैसला किया कि बच्चे की पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ने दूंगी और खुद ही पूरा काम संभालूंगी।

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

पति भी यही कहा करते थे कि पहले बच्चे अपनी पढ़ाई पूरी करें और फिर बिजनेस में आएं। मैंने उनकी इच्छा का मान रखा। मुश्किलों में आपके सामने दो ही रास्ते होते हैं या तो आप डिप्रेशन में चले जाएं या फिर स्टैंड लें। मैंने दूसरा विकल्प चुना। 2010 में मैंने अपने पति सुनील अरोरा को ब्रेन हेमरेज से खो दिया था। हमारा पाइप फैक्ट्री का कारोबार है। सिलिंग पाइप, पीवीसी पाइप, इलेक्ट्रिक पाइप से लेकर कई तरह के पाइप बनाने हमारी फैक्ट्री में किया जाता है। बड़े व्यवसाय बैंक लोन, फायनेंस सहित कई अन्य तरह की वित्तीय सहायताओं से ही चलते हैं। जब पति गुजर गए तब बैंक वालों से लेकर सबने पूछा, अब क्या? उस वक्त मैंने कहा, मैं संभालुंगी सब। बेटा बीस वर्ष का था और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। मैंने उसे पढ़ाई जारी रखने कहा। मेरी दो बेटियां हैं, बोस्की और सुप्रिया। सबसे छोटा एक बेटा अनुज है। अब उनके भी बच्चे हो चुके हैं और ग्रैंडमदर की अपनी भूमिका भी इंजॉय कर रही हूं। आने वाले 19 मई को 70 वर्ष पूर्ण करूंगी।

पति की मृत्यु के बाद खुद संभाली फैक्ट्री, यहां काम करने वाली आधी महिलाएं

कोरोना काल में भी दी तनख्वाह, क्योंकि वर्कर भी मेरे बच्चों की तरह

पति के जाने के बाद उनकी लगाई फैक्ट्री तो संभाली ही साथ ही मैंने इसका विस्तार भी किया। प्रोडक्ट की मांग बढ़ने लगी थी। व्यापार में दूसरों की तरह मेरे लिए भी सबसे मुश्किल वक्त कोरोना काल का रहा। लॉकडाउन के समय हमें फैक्ट्री नियमों के तहत कई महीनों तक बंद रखनी पड़ी। इस दौरान मैंने कर्मचारियों का पूरा वेतन देने का फैसला किया। वे अपना घर कैसे चलाएंगे, यह मेरी चिंता थी। वे भी तो मेरे बच्चों की ही तरह हैं। एक और बात, मेरी फैक्ट्री में कर्मचारियों में आधी महिलाएं हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि महिलाओं में ही यह क्षमता होती हैं कि वो मां के साथ_साथ अपनी सभी जिम्मेदारियां प्रेमपूर्वक निभा सकती हैं।

कंप्यूटर सीखा, बिलिंग सहित कई चीजें समझी

फैक्ट्री ज्वॉइन करने से पहले कुछ महीनों तक मैंने कंप्यूटर सीखा और बिलिंग सहित कई चीजें धीरे_धीरे करके सीखती चली गई। मेरे पति के अलावा घर में देवर और छह ननंद थी। जब ससुराल आई तो चार ननंद की शादी हो चुकी थी। ज्वॉइंट फैमिली में विवाह करके आई थी।

बच्चों को प्रेम से पालें खुद से भी प्यार करें

बच्चों को प्रेम से पालें। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसकी हर जिद पूरी करें। बच्चे आपके व्यवहार का ही आईना होते हैं। मदर्स डे पर महिलाओं से कहूंगी कि बच्चों संग खुद से भी प्यार करें। विश्वास रखेंआप घर और बाहर दोनों तरह की जिम्मेदारियां निभा सकती हैं क्योंकि आप मां हैं।

फैक्ट्री में चोरी हो रही थी, बच्चों संग काम संभालना पड़ा

1978 में ब्याह कर रायपुर आई। मेरा मायका दिल्ली है। स्नातक और बीएड की पढ़ाई भी वहीं हुई। उस वक्त रायपुर वर्तमान जितना विकसित नहीं हुआ था। कपड़ों के कुछ ही शो रूम हुआ करते थे। बाहर खाना खाने की इतनी जगह नहीं थी और ना ही घूमने_फिरने की इतनी जगहें हुआ करती थी। लेकिन पति के प्यार ने सब संभाल लिया। रायपुर आई तो फिर यहीं की होकर रह गई। 1981में पति ने पाइप की फैक्ट्री डाली।

16 साल की उम्र में शादी, दूधमुंहे बच्चे को लिए ससुराल वालों से छिपकर पढ़ाई

हरियाणा। जीवन कभी-कभी जटिल हो जाता है, लेकिन एक मां इन जटिलताओं से अधिक मजबूत होती है। मैं सरोज खाजपुर (झज्जर) की रहने वाली हूं। 1990 में जन्मी और रेवाड़ी मेरा ससुरा बना। सिर्फ 16 वर्ष की आयु में 10वीं में पढ़ते हुए ही ब्याह दी गई। 2007 में दसवीं उत्तीर्ण तो कर ली, लेकिन आगे पढ़ नहीं पाई। बहुत रोई, गिड़गिड़ाई, लेकिन आगे पढ़ाने से ससुराल वालों ने स्पष्ट इंकार कर दिया। 2008 में बेटे को जन्म दिया। कम उम्र में ही मां बन गई। बेटे और परिवार की जिम्मेदारी के बावजूद पढ़कर कुछ करना चाहती थी। मेरे पिता ने मेरी भावनाएं अंततः समझी। पिता ने 2011 में ससुराल वालों से बिना पूछे 12वीं के राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय नई दिल्ली से फॉर्म भर दिए। इसके बाद पढ़ई का सिलसिला चल पड़ा। दूधमुंहे बच्चे को गोद में लेकर एग्जाम की तैयारी करती रही। अच्छे अंकों से 12वीं उत्तीर्ण की।

तीसरे प्रयास में चुनी गई सिपाही के लिए

2015 में दिल्ली पुलिस सिपाही के लिए आवेदन कर शारीरिक दक्षता परीक्षा पास की, लेकिन लिखित परीक्षा की मेरिट में थोड़ा दूर रह गई। हिम्मत नहीं हारी। हरियाणा पुलिस सिपाही के लिए 2021 में परीक्षा दी और 100 में से 76 अंक प्राप्त किए।

बेटा अब दसवीं में, मैं पुलिस ट्रेनिंग कैंप में

कम उम्र में ही मां बन गई थी, इसलिए अब बेटा काफी बड़ा हो चुका है। इस समय मेरा बेटा 10वीं कक्षा में है। मैं मधुबन में हरियाणा पुलिस सिपाही का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हूं। ससुराल वाले भी अब मेरा सहयोग करने लगे हैं। मेरा यह मानना है कि मातृत्व वह शक्ति है, जो किसी भी महिला को मजबूत बनाती है।

मठपुरैना की डॉ. निम्मी चौबे ने कायम की मिसाल

ट्रैक्टर चलाया, ट्रक चलाना सीखा, मां-बाप की मौत के बाद मां बन गई बड़ी बहन

पति को खोने के बाद मां के संघर्ष की कहानी हमें समाज में देखने सुनने को मिल जाती है। ऐसा कम ही देखने को मिलता है, जब कम उम्र में माता-पिता को खोने के बाद बड़ी बहन ने छोटे-भाई बहन को एक मां की तरह संभाला हो। मदर्स डे पर डॉ. निम्मी चौबे द्वारा किया गया संघर्ष प्रेरणादायी है। क्योंकि उन्हें संघर्ष के दिनों में घर-परिवार से कोई मदद नहीं मिली। तब पिता के काम को संभाला और मां की तरह छोटी बहन व भाई को काबिल बनाया। पिता का सपना पूरा करने खुद डाक्टर भी बनी।

लवकुश शुक्ला ▶▶| रायपुर

मठपुरैना में रहने वाली डॉ.निम्मी चौबे ने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बीते दौर की कई दबी हुई सिलवटें खोलीं। कहती हैं कि किसी बेटी के लिए जीवन तब ज्यादा चुनौती से भरा होता है, जब छोटी उम्र में माता-पिता का साथ छूट जाए। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। 2006 में पिता स्व. कोमल प्रसाद चौबे नहीं रहे, तो घर का खर्च व भाई-बहन की पढ़ाई- लिखाई की नई जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई। पिता ने 5 भाई बहनों में दो बड़ी बहनों का विवाह किया था। तब मै 11वीं क्लास में पढ़ती थी। बहन धनश्री और भाई रुपेन्द्र चौबे बहुत छोटे थे। मां भी बीमार रहती थी, उन्हें संभालना भी आसान नहीं था। 2012 में मां स्व.हेमीन चौबे ने भी साथ छोड़ दिया।

बुरे वक्त में कोई मदद नहीं करता

जब किसी का बुरा वक्त आता है, तो मदत के लिए कोई सामने नहीं आता है। जब परिवार आर्थिक दिक्कतों से जुझ रहा था, तब उन्हें परिवार के लोगों ने भी सहयोग नहीं किया। इसको नजरअंदाज करते हुए बड़ी बहन निम्मी ने संघर्ष करते हुए हमें माता-पिता की कमी महसूस नहीं होने दी। धनश्री को पीजीडीसीए व छोटे भाई को ग्रेजुएशन करवाया। अब धनश्री निगम में बतौर संविदा कर्मी सेवा दे रही और भाई सर्विसिंग सेंटर चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी भी बड़ी बहन ही गार्जियन है।

घर के साथ संभाला पिता का काम

जब पिता दुनिया में नहीं रहे तो घर चलाने के लिए पिता का काम भी संभालना पड़ा। वे रायपुर निगम में ठेकेदारी करते थे। उनकी जगह लेने के लिए ट्रेक्टर, ट्रक भी चलाना सीखा, ताकि घाटे से खुद को बचा सकूं। साथ ही बीएएमएस की पढ़ाई पूरी करने और पिता का सपना पूरा करने के लिए ठेकेदारी करती रही। इसमें नियमित काम नहीं मिलने से आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए खुद का क्लीनिक मठपुरैना में शुरु किया। पिता को खोने के बाद सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक घर संभालने के साथ ही क्लीनिक में ही समय बीतता है।

अंतिम यात्रा में जाने से रोका इसलिए

डॉ. चौबे ने बताया कि जब पिताजी दुनिया में नहीं रहे तो उनकी अंतिम यात्रा में शामिल नहीं होने से रोका गया। यहीं स्थिति माताजी की मौत के समय भी हुआ। तब मन बनाया कि जब घर-परिवार की जिम्मेदारी पूरी होगी, तो पुलिस को मिलने वाले अज्ञात शवों की वारिस बनूंगी। जुलाई 2019 में ऐसी स्थिति भी बनी, अज्ञात शव को कोई स्वीकार करने को तैयार नहीं था। तब पुलिस के साथ मिलकर अपनी जिम्मेदारी में अज्ञात शव का अंतिम संस्कार किया। अभी तक 90 से ज्यादा अज्ञात शवों को कांधा दिया।

'दीदी मां' ने बच्चों को दी नई जिंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

यशोदा ने कृष्ण को जन्म तो नहीं दिया लेकिन उनके मातृत्व की मिसाल कायम है। कुछ ऐसी ही हैं दीदी मां। बचपन में पोलियो ने पैरों को छीन लिया लेकिन हौसलों की उड़ान न रुक सकी। खुद की शारीरिक कमजोरी को अपनी ताकत बनाने वाली दीदी मां को मदर्स डे पर याद न करना अन्याय होगा। हम बात कर रहे हैं अंध-मूक-श्रवण बाधितार्थ स्कूल नंदा सरकुलेशन संस्थान की अध्यक्षा कुमारी उषा अग्रवाल की, जिन्हें संस्था के बच्चे प्यार से दीदी मां बोलते हैं। 65 साल की दीदी मां पिछले 25 वर्षों से अंध-मूक-श्रवण बाधितार्थ स्कूल नंदा सरकुलेशन संस्थान भगवानपुर चला रही हैं। वे इस संस्था की अध्यक्ष हैं। दीदी मां बताती है कि उन्हें लगा कि अपंगता अभिशाप नहीं है, परंतु गांवों में जो बच्चे अंधे गूंगे बहरे जन्म लेते हैं। उन्हें बोझ समझा जाता है। उन बच्चों को दीदी मां अपनी संस्था में लाकर पहली से बारहवीं तक कि पढ़ाई करवाती हैं।

25 बरस का सार्थक सफर

25 वर्ष पहले महज एक कमरे में प्रारंभ किया गया। यह संस्थान आज बेहतर रूप ले चुका है। शुरू में तो घर से पैसे लगाकर काम करना पड़ता था। बाद में शासन की तरफ से अनुदान मिलने लगा। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने स्वयं सहयोग करने की इच्छा जाहिर की जो लिया जा रहा है। नेत्रहीन बच्चों को बकायदा ब्रेल लिपि से पढ़ाया जाता है। नृत्य संगीत की भी शिक्षा दी जाती है।

हजारों ने सीखे गुण

जब हमने दीदी मां के जीवन के संबंध में जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि पिता स्वर्गीय महावीर प्रसाद अग्रवाल पुराना सदर बाजार रायगढ़ के यहां 27 जून 1959 को हुआ। पढ़ाई एम ए एलएलबी तक पढ़ाई की। शास्त्रीय संगीत में प्रभाकर और गायन में विशारद 70 से 80 के दशक में अंबिकापुर रेडियो स्टेशन में हिंदी और छत्तीसगढ़ी गीतों का गायन किया। बचपनमें घर पर महिलाओं की कुकिंग क्लास लेती थी। 10 से 15 हजार महिलाओं को कुकिंग बेकिंग सिखाकर आत्म निर्भर बनाया।

महिला सशक्तिकरण एवं समाज सेवा के माध्यम से हमेशा चर्चा में रहने वाली वंदना दत्ता ने अपना घर तो नहीं बसाया लेकिन 20 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को पढ़ा-लिखाकर उन्हें योग्य बनाया। पढ़-लिखकर अधिकांश बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

मां की तरह पढ़ा लिखाकर संवारा बच्चों का जीवन

स्वयं का घर नहीं बसाया पर जरूरतमंद को बनाया जिम्मेदार

अजय नारायण पांडेय ▶▶| अम्बिकापुर

कुछ बच्चे तो अच्छे मुकाम पर पहुंच गए हैं। सुश्री वंदना दत्ता का परिवार काफी बड़ा है। उनके परिवार में डॉक्टर, इंजीनियर, प्राचार्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवा देने वाले सदस्य हैं वहीं राजनीति व व्यवसाय में स्वयं स्थापित करने वाले भी लोग हैं। वंदना स्वयं भी महिला एवं बाल विकास विभाग में लम्बे समय तक अधीक्षक पद पर पदस्थ रही हैं अवकाश ग्रहण करने के बाद महिला सशक्तिकरण एवं समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने अपना घर नहीं बसाया लेकिन डेढ़ दर्जन से अधिक जरूरतमंद बच्चों को वर्षों से अपने साथ रखा तथा पढ़ा-लिखाकर उनका जीवन संवारा। जयंती अभी भी उनके साथ रहती है। जयंती कंप्यूटर की पढ़ाई पूरी करने के बाद अब समाजशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही है। वह एक प्राइवेट स्कूल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ है। साथ में दो अन्य बच्चे भी रहते है जो गर्मी की छुट्टियों में माता-पिता से मिलने अपने घर गए हैं। वंदना बताती हैं कि वर्ष 1980 में वे महिला मंडल प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ थी।

अभी भी आते हैं छुट्टियों में

वंदना बताती है कि अब तक वे 20 से अधिक बच्चों को अपने साथ रखकर पढ़ा चुकी है। इनमें कई अब अच्छी स्थिति में है। अमीरी में जीवन यापन करने वाले कई बच्चे अब मिलने नहीं आते। कभी बात करने पर वे असहज हो जाते हैं। उनकी पुरानी यादें उन्हें अच्छी नहीं लगती। इसके विपरीत 10 बच्चे ऐसे हैं जो हमारे संपर्क में रहते हैं तथा हर गतिविधि से अवगत कराते हैं। आधा दर्जन से अधिक लड़कियों ने अपना परिवार बसा लिया है तथा आज भी संपर्क में है। मैं भी उनके हर दुख-सुख में साथ रहती हूं तथा मां की भूमिका निभाती हूं। नीरज उर्फ लड्डू स्नातक की पढ़ाई करने के बाद हैदराबाद स्थित एक नामी मल्टीनेशनल मोबाइल कंपनी में काम कर रहा है तथा 10 दिन की छुट्टी लेकर उनसे मिलने आया है। बीच-बीच में अन्य बच्चे भी मिलने आते हैं। शुक्रवार को लड्डू का जन्मदिन था लिहाजा परिवार के सभी सदस्य होटल में एक साथ खाना खाए।

बच्चे कहते हैं बुआ

वंदना बताती हैं कि शहर के बच्चों की तरह उनके बच्चे भी उन्हें बुआ एवं दीदी कहकर संबोधित करते हैं। सोनभद्र में रहकर ट्रांसपोर्ट का कारोबार करने वाला इंद्र उन्हें मां कहता है। बचपन में इंद्र बहुत शरारती था कुछ भी करने के लिए तैयार रहता था। संपर्क में आने के बाद उसकी गंभीरता बढ़ने लगी तथा आज वह एक सफल व्यवसायी बन गया है। वंदना अपने बच्चों की सफलता से काफी खुश हैं तथा उनकी सफलता को बड़ी उपलब्धि मानती हैं।

पार्षद, अध्यक्ष और महिला आयोग की सदस्य भी बनीं

शीला ने घर-घर मिट्टी तेल बेचकर की पांच बच्चों की परवरिश

राजेश रंजन सिन्हा ▶▶| रायगढ़

पांच बच्चों की अच्छी परवरिश की फिक्र ने विवाह के 12 वर्षों बाद शीला को घर का चौखट लांघने पर विवश किया। जूट मिल में काम करने वाले पति के पास मिल बंद हो जाने के बाद आर्थिक संकट गहराने लगा, तब पत्नी शीला ने मिट्टी तेल का व्यवसाय किया। घर-घर मिट्टी तेल बेची। इसके कुछ समय बाद नगर पालिका में पार्षद और अध्यक्ष भी बनीं। आज उनकी मेहनत और लगन से उनके पांच बच्चे अच्छी स्थिति में हैं। कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर तो कोई कंप्यूटर के क्षेत्र में काम कर रहा है। यह सब हो सका है तो सिर्फ श्रीमती शीला तिवारी के परिश्रम से। श्रीमती शीला तिवारी पत्नी रामसहोदर तिवारी एक ऐसी मां जिसने अपने बच्चों की परवरिश के लिए तमाम सामाजिक प्रथाओं को त्याग कर उनकी परवरिश का बीड़ा उठाया।

मिट्टी तेल का ठेका लेकर शुरू किया सफर

रायगढ़ की इकलौती जूट मिल में आए दिन तालाबंदी के कारण वहां काम करने वाले बेरोजगार हो जाते थे। उनके परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता था। तब शीला ने पड़ोसियों और रिश्तेदारों की परवाह की। उन्होंने सबसे पहले 1990 में मिट्टी तेल का ठेका लिया। शीला को देखते हुए आसपास की दो-तीन महिलाओं ने भी मिट्टी तेल का ठेका लेकर मिट्टी तेल बेचना शुरू किया। कुछ दिन बाद मिट्टी तेल भी राशनिंग के कारण शासन की भेंट चढ़ गया और वह कंट्रोल दुकान तक सीमित हो गया। ऐसे में शीला ने फिर नए सिरे से जद्दोजहद की।

नगर पालिका में पार्षद के बाद बनीं अध्यक्ष

वे साइकिल में सामान रखकर दुकान-दुकान जाकर बेचा करती थी। उसका संपर्क क्षेत्र भी बढ़ता गया। इस दौरान कई सामाजिक संगठनों से उनका संपर्क हुआ और वे एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हो गईं। शीला 1994 के नगर पालिका चुनाव जीतकर पार्षद बनीं। बाद में रायगढ़ नगर पालिका की अध्यक्ष का पद महिला के लिए आरक्षित होने पर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव भी जीतीं। उसके बाद सारे काम छोड़कर स्थानीय संजय मार्केट में एक कपड़े की दुकान खोल ली।

मां की मदद से प्रीति ने पास की भारतीय वन सेवा परीक्षा

अशिक्षित मां ने बेटी को बना दिया बड़ा अफसर

हर इंसान की जिंदगी में सबसे खास शख्स यदि कोई है, तो वह उसकी मां है। मां की कमी को किसी भी सूरत में पूरा नहीं किया जा सकता है। दुनिया में सिर्फ मां ही होती है, जिससे हम अधिकार पूर्वक किसी चीज की मांग कर सकते है, लेकिन कई बार हम मां के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते हैं। यूपीएससी की भारतीय वन सेवा परीक्षा 2023 में गीदम की प्रीति यादव ने 63वां स्थान हासिल किया है, उसका आईएफएस ऑफिसर बनने का सपना साकार हो गया है।

- भारतीय वन सेवा परीक्षा 2023 में ऑल इंडिया रैंक में 63वां स्थान प्राप्त करने वाली प्रीति ने अपनी सफलता का श्रेय दिया अपनी मां को
- पिता के अस्वस्थ होने पर मां ने दिल्ली ले जाकर विश्वविद्यालय में करवाया एडमिशन

आरती सिंह ▶▶| गीदम

इस सफलता में अशिक्षित मां का बड़ा योगदान है। प्रीति मानती है कि मां के सहयोग के बिना यह सफलता नहीं मिलती। प्रीति की मां मुराती यादव ने स्कूल का मुंह नहीं देखा है, लेकिन अपने बच्चों की शिक्षा के लिए उन्होंने हमेशा सपोर्ट किया और कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होने दी। प्रीति ने बताया कि हमारे परिवार में माता-पिता और हम दो बहनें हैं। माता-पिता ने दोनों बहनों को शिक्षा के लिए हमेशा सपोर्ट किया और आगे बढ़ाने में मदद की। इंटरव्यू और रिजल्ट के टाइम भी जब उन्हें घबराहट महसूस हो रही थी, तब मां ने ही हौसला दिया। प्रीति ने कहा यह मां का ही भरोसा था कि मैं भारतीय वन सेवा की परीक्षा में सफल हो पाई।

मां के सहयोग के बिना यह सफलता मुश्किल था

प्रीति ने बताया कि उनकी मां के सहयोग के बिना यह सफलता मिलना मुश्किल था। 12वीं द्रोणाचार्य स्कूल रायपुर से उत्तीर्ण करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन के लिए फॉर्म भरा था और जून-जुलाई 2017 दिल्ली विश्वविद्यालय की कट ऑफ में नाम आने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय में एडमिशन लेना था। उस समय पापा की सेहत खराब होने के कारण वे अस्पताल में भर्ती थे। तब मां एडमिशन के लिए दिल्ली लेकर गई, जबकि उनकी मां खुद कभी बाहर अकेले नहीं गई थी। लेकिन बच्चे की शिक्षा के लिए पहली बार घर से बाहर निकली और दिल्ली विश्वविद्यालय में एडमिशन करवाया। वहां दो दिन रह कर एडमिशन के जरूरी प्रोसीजर पूर्ण कर वापस घर आए। प्रीति ने बताया कि यदि मां का सपोर्ट नहीं होता, तो मेरा दिल्ली विश्वविद्यालय में एडमिशन नहीं हो पाता।

कोरोना काल में मां ने उपलब्ध कराए साधन

कोरोना के समय जब मैं वापस घर आई, तब गीदम में यूपीएससी की तैयारी के लिए आवश्यक साधन उपलब्ध नहीं थे। तब मां ने ही अंग्रेजी पेपर व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक मंगवा कर उपलब्ध करवाई। जिससे वह गीदम में रहकर कोरोना काल में भी यूपीएससी की अच्छे से तैयारी हो पाई। प्रीति ने कहा मां के निरंतर प्रयास से ही आज इस मुकाम पर पहुंच पाई हूं। इसलिए अपनी सफलता का श्रेय मां को जाता है।

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।'* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी माएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अजां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तक: हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादक**: उद्भ्रांत, **मूल्य**: 499 रुपए, **प्रकाशक**: नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।

इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

आईपीएल 2024 : अब तक 36 बार बन चुके 200+ स्कोर, इनमें से आठ बार पार हुआ 250+ का आंकड़ा

200+ स्कोर बनने का दर 2023 में 25.17 प्रतिशत, 2024 में बढ़कर 30.17 प्रतिशत हो चुका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2024 में रनों की बारिश हो रही है। इस साल लीग राउंड अभी खत्म नहीं हुआ है कि हजार छक्के पूरे हो चुके हैं। गेंद के हिसाब से सबसे तेज हजार छक्कों का रिकॉर्ड बना है। वहीं, औसतन हर दूसरे मैच में 200+ के स्कोर बन रहे हैं। इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आने के बाद से 200+ के स्कोर में काफी बढ़ोतरी हुई है।

एक अतिरिक्त बल्लेबाज का हर टीम फायदा उठा रही है। उच्चतम स्कोर का रिकॉर्ड इस सीजन कई बार टूट चुका है। इतना ही नहीं सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड भी टूट गया। इसे रिकॉर्डतोड़ सीजन भी कहा जा रहा है। इसके बाद टी20 विश्व कप भी खेला जाना है। ऐसे में खिलाड़ी आईपीएल को तैयारी के तौर पर ले रहे हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम से पड़ा असर

इस सीजन अब तक 59 मैचों की 118 पारियों में 36 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बन चुके हैं। जो पिछले सभी सीजन को मिलाकर इतने मैचों के बाद सबसे ज्यादा हैं। पिछले साल यानी आईपीएल 2023 में 74 मैचों की 147 पारियों में 37 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे, जो आईपीएल के एक सीजन में 200+ के स्कोर का रिकॉर्ड है। हालांकि, इस सीजन यह रिकॉर्ड ध्वस्त होता हुआ दिख रहा है। वहीं, 2022 में 74 मैचों की 148 पारियों में 18 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे। 2023 में ही इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में लागू हुआ था और उसके बाद से 200+ के स्कोर में गजब की बढ़ोतरी हुई है। जहां 2022 में 200+ का स्कोर बनने का दर 12.16 प्रतिशत था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 25.17 प्रतिशत हो गया था। इस सीजन अब तक यह बढ़कर 30.5 प्रतिशत हो चुका है।

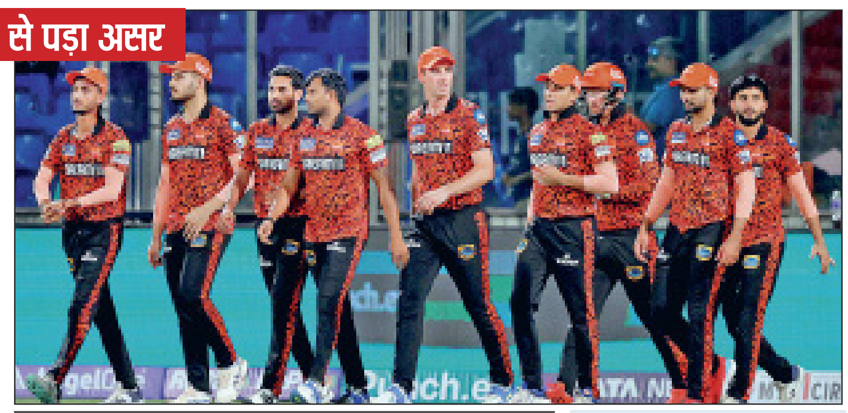

इस साल आठ बार 250 का आंकड़ा पार

आईपीएल के पहले संस्करण यानी 2008 में 11 बार 200+ के स्कोर बने थे। इसके बाद 2009 से लेकर 2017 तक यह आंकड़ा 10 बार से ऊपर नहीं गया। 2018 से 2020 तक यह आंकड़ा अधिकतम 14 बार से ऊपर नहीं गया। वहीं, 2021 में नौ ही बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने। आईपीएल 2024 में अब तक आठ बार 250+ का स्कोर बन चुका है। वहीं, 2023 में सिर्फ एक बार 250+ रन बना था। तब लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए थे।

2024 में 13 बार दोनों पारी में बने 200+ स्कोर

आईपीएल 2024 में ऐसे 13 मैच हुए हैं जब दोनों पारियों में 200-200 के स्कोर बने। यह एक रिकॉर्ड है। इससे पहले 2023 में 12 बार या 12 मैच ऐसे हुए थे जब दोनों पारियों में 200+ के स्कोर बने थे।

सत्र में 200+ का स्कोर

वर्ष	200+	मैच	पारियां
2024	36*	59*	118*
2023	37	74	147
2022	18	74	148
2021	9	60	120
2020	13	60	120
2019	11	59	118
2018	14	60	120
2017	10	59	118
2016	6	60	120
2015	7	59	117
2014	9	60	120
2013	4	76	152
2012	5	74	148
2011	5	72	144
2010	9	59	118
2009	1	59	118
2008	11	58	116

अमन ने जीता ओलंपिक कोटा, दीपक बाहर

इस्तांबुल। अमन सहरावत ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया। दीपक पूनिया शनिवार को यहां विश्व क्वालीफायर में पहले दौर में करारी हार के बाद क्वालीफिकेशन दौड़ से बाहर हो गए। अंडर-23 विश्व चैंपियन और सीनियर एशियाई चैंपियनशिप विजेता अमन से 57 किग्रा में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद थी और इस 20 साल के पहलवान ने भी निराश नहीं किया। उन्होंने भारत को शर्मसार होने से बचाया भी, क्योंकि इससे पहले किसी पुरुष पहलवान ने पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया था। छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करने वाले अमन ने अपने दोनों मुकाबलो में आसानी से जीत हासिल की। यूक्रेन के एंड्री यातसेंको को हराने से पहले उन्होंने जॉजी वालेनतिनोव को 10-4 से मात दी। उन्होंने उत्तर कोरिया के चोंगसोंग हान को 12-2 के अंतर से पराजित किया। टोक्यो ओलंपिक में मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूके पूनिया (86 किग्रा) पहले मुकाबले में चीन के ताकतवर जुशेन लिन पर बढ़त लेने के बावजूद 4-6 से हार गए।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	12	9	3	18
राजस्थान	11	8	3	16
हैदराबाद	12	7	5	14
चेन्नई	12	6	6	12
दिल्ली	12	6	6	12
लखनऊ	12	6	6	12
बेंगलोर	12	5	7	10
गुजरात	12	5	7	10
मुंबई	13	4	9	8
पंजाब	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
634 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
20 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1873 चौके

1078 छक्के

सुदर्शन ने जीता स्मिथ और मूडी का दिल

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आक्रामक शतक लगाकर गुजरात टाइटंस की जीत के सूत्रधार रहे बी साई सुदर्शन ने ग्रीम स्मिथ और टॉम मूडी जैसे धुरंधरों को प्रभावित किया है।

तीसरे नंबर पर उतरने वाले सुदर्शन का शुक्रवार तक स्ट्राइक रेट 131.67 था लेकिन चेन्नई के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 201.96 की स्ट्राइक रेट से 51 गेंद में 103 रन बनाए। स्मिथ ने कहा, 'सुदर्शन इस सत्र में गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन बना चुका है।

बल्लेबाजों को स्ट्राइक रेट सुधारने की जरूरत

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान ने बाबर आजम, फखर जमां और मोहम्मद रिजवान जैसे अन्य अनुभवी खिलाड़ियों को आधुनिक क्रिकेट की आवश्यकताओं के अनुरुप स्ट्राइक रेट बढ़ाने की सलाह दी है। यूनिस ने शुक्रवार को कराची में कहा कि खिलाड़ियों को टी20 प्रारूप में किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

आईपीएल : केकेआर की मौजूदा सीजन में 12 मैचों में नौवीं जीत

नाइट राइडर्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम, मुंबई को 18 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन के मैच नंबर-60 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुंबई इंडियंस को 18 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही केकेआर ने प्लेऑफ में भी अपनी जगह पक्की कर ली। केकेआर आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम है। शनिवार को खेले इस मुकाबले में केकेआर ने मुंबई को जीत के लिए 158 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए वह आठ विकेट पर 139 रन ही बना सकी। केकेआर की मौजूदा सीजन में यह 12 मैचों में नौवीं जीत रही। बता दें कि ईडन गार्डन्स में काफी देर तक बारिश हुई, जिसके चलते मैच को 16-16 ओवरों का कर दिया गया था।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवरों में सात विकेट पर 157 रन बनाए। केकेआर के लिए वेंकटेश अय्यर ने सबसे ज्यादा 42 रनों की पारी खेली। वेंकटेश ने इस दौरान 6 चौके और दो छक्के लगाए। नीतीश राणा ने भी 33 और आंद्रे रसेल ने 24 रनों की उपयोगी पारी खेली।

हेड टू हेड रिकॉर्ड

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच अब तक 34 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इस दौरान मुंबई इंडियंस ने 23 मैचों में जीत हासिल की। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने सिर्फ 11 मुकाबले जीते हैं। दोनों टीमें मौजूदा सीजन में दूसरी बार आमने-सामने हुई हैं। इससे पहले 3 मई को दोनों टीमों के बीच वानखेड़े स्टेडियम में मैच हुआ था, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 रनों से जीत हासिल की।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का कम्बोज बो तुषारा	06	05	0	1
सुनील नारायण बो बुमराह	00	01	0	0
वेंकटेश का यादव बो चावला	42	21	6	2
श्रेयस अय्यर बो कम्बोज	07	10	1	0
नितीश राणा रन आउट	33	23	4	1
रसेल का कम्बोज बो चावला	24	14	2	2
रिंकू का किशन बो बुमराह	20	12	0	2
रमनदीप सिंह नाबाद	17	08	1	1
मिचेल स्टार्क नाबाद	02	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 16 ओवर में 157/7
गेंदबाजी : तुषारा 3-0-31-1, बुमराह 4-0-39-2, कम्बोज 3-0-24-1, पंड्या 3-0-32-0, चावला 3-0-28-2.

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
किशन का रिंकू बो नारायण	40	22	5	2
रोहित का नारायण बो चक्रवर्ती	19	24	1	1
सूर्यकुमार का रमनदीप बो रसेल	11	14	1	0
तिलक का साल्ट बो हर्षित	32	17	5	1
पंड्या का वैभव बो चक्रवर्ती	02	04	0	0
डेविड का श्रेयस बो रसेल	00	03	0	0
नेहाल वढेरा रन आउट	03	03	0	0
नमन धीर का रिंकू बो हर्षित	17	06	1	2
अंशुल कम्बोज नाबाद	02	02	0	0
पीयूष चावला नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 16 ओवर में 139/8
गेंदबाजी : अरोड़ा 2-0-16-0, स्टार्क 1-0-11-0, राणा 3-0-34-2, नारायण 3-0-21-1, चक्रवर्ती 4-0-17-2, आंद्रे रसेल 3-0-34-2

पंत पर एक मैच का बैन, 30 लाख का लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रविवार को होने वाले अहम मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस मैच के आखिरी ओवर में तय समय से 10 मिनट पीछे थी।इम्पैक्ट प्लेयर सहित शुरुआती एकादश के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया।'

शुभमन गिल पर लगा 24 लाख का जुर्माना

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिए 24 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। यह टीम का इस सत्र में धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था। इसके लिए हर खिलाड़ी पर छह लाख रुपए या मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है। गुजरात ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रन से हराकर प्लेआफ की उम्मीदें कायम रखी है।

जेम्स एंडरसन लॉर्ड्स में खेलेंगे अंतिम टेस्ट मैच

एजेंसी ▶▶| लंदन

महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने शनिवार को घोषणा की कि इस सत्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला का पहला टेस्ट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मैच होगा। एंडरसन ने अपने 20 साल के कॅरियर में 700 टेस्ट विकेट लिए है।

2003 में पदार्पण करने वाले एंडरसन सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज के साथ इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली सूची में मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वार्न (708) के बाद तीसरे स्थान पर है। एंडरसन ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सभी को नमस्कार। मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि आगामी घरेलू सत्र में

लॉर्डस मैदान पर खेला जाने वाला पहला टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। जिस खेल को मैं बचपन से पसंद करता था उसमें अपने देश का 20 साल तक प्रतिनिधित्व करना अविश्वसनीय रहा है।

इंग्लैंड के लिए खेलने की कमी मुझे बहुत खलेगी। मैं हालांकि जानता हूं कि अब दूसरों को भी उनके सपने साकार करने देने का समय आ गया है, जैसा कि मैंने किया, क्योंकि इससे बड़ी कोई भावना नहीं है।'

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, तृतीय तल, एलआईसी इन्वेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-II जीवन बीमा मार्ग, पण्डरी, रायपुर (छ.ग.) पिन-492004
परिशिष्ट-IV ए [नियम 8(6) के परंतुक को देखें]
अचल संपत्ति की विक्रय हेतु बिक्री सूचना

ई-नीलामी बिक्री सूचना: बैंक में बंधक रखे अचल संपत्तियों का, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत, प्रतिभूति-हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के सहपठित धारा 8 (6) के तहत विक्रय किया जाना है।

सर्वसाधारण, विशेष रुप से ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिनका यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी ने सांकेतिक/भौतिक कब्जा लिया है, "जैसा है, जहां है और जैसा है, जो है" के आधार पर दिनांक 29.05.2024 समय (प्रातः 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक) पर नीलाम किया जायेगा, जिसका विवरण नीचे दिए अनुसार है। आरक्षित मूल्य एवं बयाना राशि संपत्ति के विरुद्ध नीचे दर्शाये गये तालिका में उल्लेख किया गया है।

क्र.	उधारकर्ता एवं जमानतदार/शाखा का नाम	सम्पत्तियों का विवरण	बकाया राशि (रु.)	आरक्षित मूल्य / अमानत राशि / बोली वृद्धि राशि
01	श्री अरविंद कुमार शुक्ला एवं श्रीमती ज्योति शुक्ला / चरोदा शाखा	स्वामित्व- अरविंद शुक्ला, ख.नं. 63/10 भाग, मौजा- कुम्हारी, कबीर नगर के पास, वार्ड पीसी नं. 3, आरआईसी- भिलाई 3, पाटन, कुम्हारी, क्षेत्रफल- 1890 वर्गफीट।	₹ 9,33,000.00 + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 7.20 लाख ₹ 0.72 लाख ₹ 0.072 लाख
02	श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय एवं श्री पवन कुमार पाण्डेय / चरोदा शाखा	ख.नं. 547, 549, आरआईसी- भिलाई 3, ब्लॉक एवं तहसील- पाटन, जिला- दुर्ग, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड उमदा क्षेत्रफल- 83.62 वर्गमीटर में स्थित आवासीय मकान एलआईजी- 04.	₹ 10,02,000.00 + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 16.00 लाख ₹ 1.60 लाख ₹ 0.16 लाख
03	श्री प्रहलाद देवांगन एवं श्रीमती अनिता देवांगन / जगदलपुर-1 शाखा	श्री प्रहलाद देवांगन के नाम पर भूतल हाउसिंग बोर्ड कालोनी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड, जगदलपुर, जिला-बस्तर, में स्थित फ्लैट नं. 4/39.	₹ 7.80 Lacs + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 11.00 लाख ₹ 1.10 लाख ₹ 0.11 लाख
04	मेसर्स परमार जी एजेंसी, 1. राजेन्द्र सिंह परमार (प्रोपराईटर), श्री मान सिंह परमार/ जगदलपुर-1 शाखा	स्वामित्व- श्री मान सिंह परमार पिता- राम सिंह परमार, हाट कचोरा अंकुल देव वार्ड, जगदलपुर छ.ग.-494001. जगदलपुर 675 वर्गफीट में दुकान के साथ परिवर्तित भूमि एवं आवासीय भवन।	₹ 17.80 Lacs + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 61.00 लाख ₹ 6.10 लाख ₹ 0.61 लाख
05	मेसर्स अथर्व मिनरल्स, श्री राम किशोर मोदी, श्रीमती रश्मी मोदी/ समता कालोनी शाखा	1. खसरा नं. 664 का भाग, प.ह.नं. 15, ग्राम- इंगनिया, आरआईसी- अर्जुन्दा, तहसील- गुंडरदेही, जिला- बालोद, क्षेत्रफल-0.40 हेक्टेयर, में स्थित डायवर्ट आवासीय भूमि/वन आवास नंबर- 04, शामिल 2. खसरा नं. 663/3 का भाग, प.ह.नं. 15, ग्राम- इंगनिया, आरआईसी- अर्जुन्दा, तहसील- गुंडरदेही, जिला- बालोद शामिल क्षेत्रफल-0.22 हेक्टेयर व 0.18 हेक्टेयर, कुल 0.40 हेक्टेयर में स्थित डायवर्ट की गई आवासीय भूमि/वन आवास नंबर- 21.	₹ 40,42,000.00 + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 40.00 लाख ₹ 4.00 लाख ₹ 0.40 लाख संपत्ति क्र. 1 एवं 2 हेतु पृथक पृथक
06	राम अवतार शर्मा पिता- रामन्ना शर्मा एवं श्रीमती प्रभा शर्मा पति- राम अवतार शर्मा/ समता कालोनी शाखा.	प्रभा शर्मा पति- राम अवतार शर्मा के नाम पर खसरा नं. 363/1, 364/1, 365/1, पीसी नं. 110, प्रथम तल, गोल्डन ग्लोरी अपार्टमेंट, ब्लॉक-बी, शंकर नगर वार्ड नं. 29, रायपुर, क्षेत्रफल- 1455 वर्गफीट भूमि पर स्थित फ्लैट नं. बी/504 के समस्त भाग व अंश।	₹ 48.13 Lacs + 01.07.2023 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 40.00 लाख ₹ 4.00 लाख ₹ 0.40 लाख
07	मेसर्स श्री रानी सती स्टील ट्रेडर्स, श्रीमती संतोष देवी झुनझुनवाला, मेसर्स एस.आर.एस. इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, श्री पवन कुमार झुनझुनवाला, श्री सत्य प्रकाश झुनझुनवाला/ पुरानीबस्ती शाखा	ख नं. 350/2 एवं 352/2 (भाग) व 352/3, प.ह.नं. 106, बंदोबस्त नं. 259/486, नूतन कृष्ण राइस मिल तेलघानी नाका रायपुर के पास स्थित दो मंजिला भूमि/भवन का संयुक्त। 1. श्री पवन कुमार झुनझुनवाला के नाम पर 809 वर्गफीट की भूमि, 2. सत्य प्रकाश झुनझुनवाला के नाम पर 718 वर्गफीट की भूमि, 3. संतोष देवी झुनझुनवाला के नाम पर 707 वर्गफीट की भूमि, कुल क्षेत्रफल के साथ 2234 वर्गफीट।	₹ 2,37,15,000.00 + 01.04.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 230.00 लाख ₹ 23.00 लाख ₹ 2.30 लाख
08	मेसर्स फ्लूटस स्पेक्ट्रम प्राईवेट लिमिटेड, (निदेशकः श्री राज्यवर्धन देवांगन एवं श्रीमती स्मृति देवांगन), श्री राज्यवर्धन देवांगन एवं श्रीमती स्मृति देवांगन/ पुरानीबस्ती शाखा	मेसर्स फ्लूटस स्पेक्ट्रम प्रा.लि. के नाम पर ख. नं 42/1-8 (पुराना) ऑनलाइन भुइयां डाउनलोड ख. नं 42/1 (नया) वार्ड नंबर 51, रवीन्द्रनाथ टैगोर वार्ड, प.ह.नं 00070 आरआईसी रायपुर-II, क्षेत्रफल 0.291 हेक्टेयर अर्थात 31311 वर्ग फुट में स्थित खुली भूमि की हैसियत।	₹ 2,98,20,778.42 + 01.10.2022 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 675.00 लाख ₹ 67.50 लाख ₹ 6.75 लाख
09	मेसर्स छाया इन्टरप्राईजेस, प्रोप- नितेश महोबिया एवं श्रीमती छाया देवी महोबिया/ कांकेर शाखा	अभिन्यास नं. 378/17, शीट नं. 5सी, संजय नगर, फॉरेस्ट ऑफिस के पीछे, कांकेर-494334, क्षेत्रफल- 817.76 वर्ग फीट में स्थित नजूल भूमि प्लॉट नं. ½.	₹ 9,62,415.73 + 01.04.2021 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 14.00 लाख ₹ 1.40 लाख ₹ 0.14 लाख
10	मेसर्स श्री राम ऑटो पार्ट्स, प्रोप. श्री अरुण राव, श्रीमती श्वेता हुमिकर/ राजनांदगांव-1 शाखा	श्री अरुण राव के नाम पर ख. नं 38/2 पर, बस स्टैंड राजनांदगांव, क्षेत्रफल 18.36 वर्ग मीटर में स्थित, दुकान नं. यू-76 सहित भूमि एवं भवन संपत्ति का हैसम।	₹ 11,39,777.46 + Int. since 08.06.2021 + Legal & other charges	₹ 14.00 लाख ₹ 1.40 लाख ₹ 0.14 लाख
11	श्री देविन्दर पाल सिंह कांडा, श्री इन्द्रजीत सिंह कांडा, श्रीमती रंजीत कौर कांडा/ सिविक सेंटर भिलाई शाखा	स्वामित्व- श्री इंद्रजीत सिंह कांडा पिता- स्व. सुच्चा सिंह कांडा एवं श्रीमती रणजीत कौर कांडा पति- श्री इंद्रजीत सिंह कांडा, तरुण टॉकीज के पास, संजय वाही, वार्ड नं. 26, जिला- दुर्ग, छ.ग. क्षेत्रफल- 1102 वर्ग फीट में स्थित आवासीय प्लॉट मकान नं. 185.	₹ 29,80,000.00 + 01.10.2022 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 43.00 लाख ₹ 4.30 lacs ₹ 0.43 लाख
12	प्रेमलाल प्रधान/ टाटीबंध शाखा	ख.नं. 1552/6, प.ह.नं. 106 वार्ड-64, प्रोफेसर कालोनी, सेक्टर-3, कुशालपुर, महाराज तालाब, सेक्टर-3, सड़क नं. 17, रायपुर स्थित आवासीय भवन व भूमि।	₹ 26.27 Lacs + 01.08.2023 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 45.00 लाख ₹ 4.50 लाख ₹ 0.45 लाख
13	श्री विनय कुमार पाण्डेय/ टाटीबंध शाखा	ख.नं. 565/1, 565/3,565/4 एवं 729/2, प.ह.नं. 3, दीनदयाल आवास योजना, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड, सिलतरा, अभिनपुर, जिला-रायपुर में स्थित एलआईजी-131.	₹ 10,81,000.00 + 01.07.2023 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 11.00 लाख ₹ 1.10 लाख ₹ 0.11 लाख
14	मेसर्स एल.एस. सेल्स भागीदार- श्री आशीष शाहवानी, श्रीमती ऊषा शाहवानी, श्रीमती वर्षा शाहवानी, जमानतदार- प्रकाश शाहवानी/ दुर्ग शाखा	श्री प्रकाश शाहवानी एवं श्री आशीष कुमार शाहवानी के नाम पर खसरा नं. 18/32, पीसी नं. 15/20, तितुरडीह (सिंधिया नगर), वार्ड नं. 21, प्लॉट नं. 3, तहसील/ जिला- दुर्ग, क्षेत्रफल- 2800 वर्गफीट में स्थित भूमि व भवन।	₹ 36,01,733.00 + 02.05.2021 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 81.00 लाख ₹ 8.10 लाख ₹ 0.81 लाख
15	मेसर्स श्री निर्विगनम प्रोप. श्री मनमोहन विश्वकर्मा, श्री गिरीश विश्वकर्मा/ दुर्ग शाखा	खसरा नं. 711/313, प.ह.नं. 18, खाता नं. 3199, बी.एन. 64, कसारडीह, तहसील- दुर्ग, जिला- दुर्ग कुल क्षेत्रफल- 450 वर्गफीट में स्थित आवासीय भवन	₹ 10,56,733.00 + 01.03.2021 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 12.00 लाख ₹ 1.20 लाख ₹ 0.12 लाख
16	श्रीमती सुखवंत कौर, श्री रंजीत सिंह श्री अशोक सुखवंत/ दुर्ग शाखा	ख.नं. 1177/130, पीसी. नं. 16, पुराना गुरुद्वारा के पीछे, संतरावाड़ी, तहसील- दुर्ग, जिला- दुर्ग, क्षेत्रफल 500 वर्गफीट में स्थित आवासीय मकान।	₹ 4,75,063.88 + 23.01.2021 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 19.00 लाख ₹ 1.90 लाख ₹ 0.19 लाख
17	मेसर्स वेलकम बेकरी, श्री अमर दीप जिमनानी, श्री वाधुमल जिमनानी/ दुर्ग शाखा	ख.नं. 61/139, प.ह.नं 17, क्षेत्रफल 2000 वर्ग फुट एवं ख.नं. 61/180, प.ह.नं 17 जिसका क्षेत्रफल 1500 वर्ग फीट, प्रेम नगर, राम नगर, सिकोला, वार्ड नं. 14, दुर्ग छत्तीसगढ़-491001, कुल क्षेत्रफल 3500 वर्ग फुट में स्थित वाणिज्यिक भूमि और भवन का विस्तार।	₹ 5.45 Lacs + 01.02.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 53.00 लाख ₹ 5.30 लाख ₹ 0.53 लाख
18	श्री विनय खत्री, श्री सुनील पंजवानी/ दुर्ग शाखा	सर्वे नंबरः ख. नं. 1267/73, प.ह.नं.-16/24, गजानन मंदिर के पीछे, विजय नगर, तह-दुर्ग, जिला-दुर्ग, कुल क्षेत्रफल 667.50 वर्गफीट में स्थित आवासीय मकान।	₹ 16,92,000.00 + 01.01.2024 से ब्याज + कानूनी और अन्य शुल्क	₹ 14.00 लाख ₹ 1.40 लाख ₹ 0.14 लाख

उपरोक्त संपत्तियों पर ऋणभार का विवरण, जैसा कि बैंक को ज्ञात है - ज्ञात नहीं है।

ई-नीलामी की तिथि व समयः 29-05.2024, सुबह 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक।

उधारकर्ताओं और गारंटरों को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और नियम 9(1) के तहत वैधानिक 15 दिनों की बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है।

पंजीकरण, लॉगिन एवं बोली लगाने के नियमों के लिए https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp एवं www.unionbankofindia.co.in. पर जाएं। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : संपत्ति क्रमांक 1-2 के लिए श्री सुमित स्वर्णकार मो. 8369071206, क्र. 3-4 के लिए श्री राम कुमार मो. 6077156740, क्र. 5-6 के लिए श्री शशांक शेखर शुक्ला मो. 8407004172, क्र. 7-8 के लिए श्री प्रदीप कुमार तहसील मो. 9406455999, क्र. 9 के लिए- श्री रितेश जैन मो. 9993695079, क्र. 10 के लिए- श्री अशोक निनावे मो. 9313508849, क्र. 11 के लिए- अर्पण घोष मो. 9769306558, क्र. 12-13 के लिए श्री रजनीश सिंह मो. 8477000416, क्र. 14-18 के लिए अमित कुमार मो. 9425253979.

दिनांक: 12.05.2024 प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

टोक्यो शहर में पब्लिक टॉयलेट देखने आते हैं पर्यटक, 5 स्टार होटल जैसा लुक

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

बात जब पब्लिक टॉयलेट्स की आती हैं, तो लोग उसमें जाने में काफी परहेज करते हैं. सिर्फ इसलिए क्योंकि सार्वजनिक शौचालयों का हाल बेहद बुरा होता है। उनकी सफाई समय से नहीं होती, गंदगी की वजह से उसमें से बदबू आती रहती है। ग्रामीण इलाकों में बने ऐसे टॉयलेट्स कई बार असुरक्षित होते हैं। पर दुनिया में जापान एक देश ऐसा है, जहां पर पब्लिक टॉयलेट्स का बहुत ध्यान दिया जाता है। यहां के टोक्यो शहर में टॉयलेट्स को 5 स्टार होटल जैसा बनाया गया है, जिसके अंदर हाई-टेक सुविधाएं मौजूद हैं। जापान के टोक्यो में पब्लिक टॉयलेट्स आजकल चर्चा में हैं। यहां पर पब्लिक टॉयलेट्स टूरिस्ट अट्रैक्शन बन गए हैं और जो पर्यटक टोक्यो घूमने आ रहे हैं, वो इन पब्लिक टॉयलेट्स के भी टूर को कर रहे हैं। इसके लिए गाइड का भी इंतेजाम किया जा रहा है। टोक्यो के शिबूया इलाके में 17 टॉयलेट हैं जिसे टोक्यो टॉयलेट प्रोजेक्ट के लिए तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट का मकसद था शहर में पब्लिक टॉयलेट की सुविधा को बेहतर करना। 2020 में निप्पॉन फाउंडेशन की ओर से इस प्रोजेक्ट को शुरू किया गया, जिसके तहत देश के बड़े आर्किटेक्ट्स ने टॉयलेट को डिजाइन किया है। ये टॉयलेट इसलिए खास हैं क्योंकि इनके अंदर हाई-टेक तकनीकी सुविधाएं हैं, इनके डिजाइन अनोखे हैं। ये बेहद साफ हैं और सुरक्षित भी हैं। हर टॉयलेट का डिजाइन दूसरे से अलग है।

टूर के लिए देने पड़ते हैं रुपए

जिला पर्यटन असोसिएशन के यूमिको निशी ने कहा कि जो लोग इस टूर के लिए रेजिस्टर किए हैं, उन्हें आर्किटेक्चर में रुचि है। इस टूर के जरिए वो शहर को एक्सप्लोर भी कर लेंगे और टॉयलेट्स भी देख लेंगे। इस टूर के लिए प्रति व्यक्ति 2600 रुपए देने होंगे और ये 2 घंटे तक चलता है।

टूर प्रोग्राम इसी साल हुआ है शुरू

ये टूर प्रोग्राम इसी साल मार्च से शुरू किया गया है। जो लोग इसके लिए साइन करते हैं, उन्हें ये अजीबोगरीब टॉयलेट देखने को मिलते हैं। इसके पीछे आइडिया ये था कि विदेशियों को ये बताना था कि जापान में सार्वजनिक शौचालय कितने साफ होते हैं।

आर्टिस्ट ने बनाई दुनिया की सबसे हल्की सोने की चेन

11 महीने में हुई तैयार, कीमत सुनकर नहीं होगा यकीन

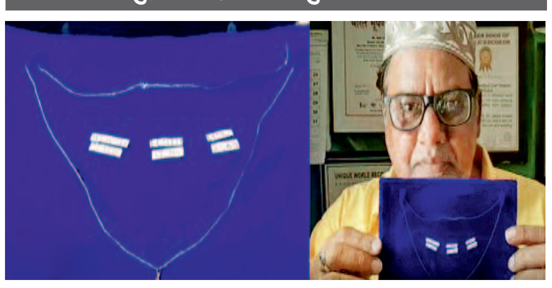

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उदयपुर शहर के डॉक्टर इक़बाल सक्का अपनी कलाकारी के लिए प्रसिद्ध हैं। वो स्वर्ण मिनीएचर आर्टिस्ट हैं। उन्होंने एक बार फिर से अपनी कलाकारी का कमाल दिखाया है। इस बार डॉक्टर इक़बाल ने सोने की छोटी और बेहद महीन चेन बनाई है। उनका दावा है कि ये दुनिया की सबसे हल्की चेन है। इसकी कीमत मात्र 40 रुपए है। सोने की ये चेन बनाने में उन्हें करीब 11 महीने लगे। इसमें 2500 कड़िया जुड़ी हुई हैं।

100 से ज्यादा विश्व रिकॉर्ड

डॉक्टर इक़बाल सक्का की पहचान उदयपुर के जाने-माने स्वर्ण कलाकार के रूप में है। उनके नाम पर 100 से भी ज्यादा विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। सोने की दुनिया की सबसे छोटी कलाकृतियां बनाने में वो अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। अब इस चेन के लिए भी उन्होंने गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दावेदारी पेश की है। उन्हें उम्मीद है कि ये तिरंगा चेन विश्व रिकॉर्ड में शामिल होगी।

बाल से भी ज्यादा पतली

डॉ. इकबाल सक्का ने हाल ही में दुनिया की सबसे बड़ी गोल्ड चेन का विश्व रिकॉर्ड देखा था, जो करीब 1144 करोड़ रुपए की थी। इसका वजन 256 किलोग्राम था और वह 5.5 किलोमीटर लंबी थी। बस वो खबर देखकर डॉ. इकबाल ने उसके विपरीत दुनिया की सबसे छोटी चेन बनाने का निश्चय किया। उन्होंने इसके लिए 22 कैरेट सोने को चुना और 17 इंच लंबी चेन बना दी. डॉ सक्का का दावा है इसे आसानी से गले में पहनाया जा सकता है। यह एक बाल से भी ज्यादा पतली है। इस चेन की तिरंगे का रंग दे कर इसका नाम तिरंगा चेन रखा है।

वैज्ञानिकों ने लिए हर्टफोर्डशायर शहर में बनाया 'मंगल ग्रह'

लंदन। एक समय था पृथ्वी के लगभग अधिकांश देशों पर अंग्रेजों का राज था। लेकिन पृथ्वी से बाहर जाने में अंग्रेजों कभी रुचि नहीं दिखाई। पर अब लगता है हालात बदल रहे हैं.। अब ब्रिटेन अंतरिक्ष के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, यहां तक कि अब तो मंगल ग्रह पर जाने की ही तैयारी हैं। यहां के स्पेस साइंटिस्ट ने स्टीवनेज में 'मंगल ग्रह' का निर्माण किया है। फ्रांसीसी एयरोस्पेस दिग्गज एयरबस ने अपने एक्सोमार्स रोवर का परीक्षण करने के लिए हर्टफोर्डशायर शहर में एक औद्योगिक संपत्ति पर 2.25 करोड़ किमी दूर ग्रह की सतह के जैसे हालात बनाने के लिए लाल रेत और चट्टानों का उपयोग किया है। 2028 में यान मंगल ग्रह पर पानी और संभावित जीवन के संकेत खोजने के मिशन पर रवाना होगा। एयरबस ने स्टीवनेज में रोवर का निर्माण किया है, जो यूके में अंतरिक्ष क्षेत्र में 3,500 लोगों को रोजगार देता है। कंपनी शीघ्र ही यूरोपीय स्पेस एजेंसी के साथ उस लैंडिंग मॉड्यूल के लिए थ्रस्टर्स बनाने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करेगी, जिसकी आपूर्ति रूसियों को यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले करनी थी। इस बीच इसके प्रदर्शन को इसके विशेष रूप से निर्मित ब्रिटिश 'मार्स यार्ड' में तैयार किया जाएगा। एयरबस के एक्सप्लोरेशन रोवर्स प्रोग्राम मैनेजर क्रिस ड्रेपर ने कहा कि इसका अंतरिक्ष अभियान 'यूके में हमारे लिए एक वास्तविक सफलता की कहानी' रहा है।

कैंसर के अत्याधुनिक इलाज हेतु
कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरपी एवं सपोर्टिव ट्रीटमेंट
के लिए सुप्रसिद्ध विशेषज्ञों की कुशल टीम
डॉ विकास गोयल MD, DM रक्त रोग एवं ब्लड कैंसर विशेषज्ञ
डॉ अनिकेत ठोके MD, DNB, ECMO कीमोथेरेपी एवं इम्यूनोथेरपी विशेषज्ञ
डॉ राकेश मिश्रा MD, DM कीमोथेरेपी एवं इम्यूनोथेरपी विशेषज्ञ
डॉ अविनाश तिवारी MBBS, MD पेन एवं पैलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ
(पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त, 20 स्पेशलिस्ट, 17 वर्षों से)
संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
7389904010, 738995010, +91 7714081010, 4061010

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
•एक्सीडेंट
•जहर का सेवन
•लीवर फेलयर
•किडनी फेलयर
•हार्ट अटैक
•ब्रेन हेमरेज़
•पीलिया •लकवा
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

ZEE
हर दिन ऊर्जा व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए
MultipreX™ कैप्सूल और सिरप
Multivitamin, Multiminerals & Antioxidant Soft Gelatin Capsules
9896277535 www.wellncare.com
खरीदारी के लिए कोड स्कैन करें

खूनी हो या बादी बवासीर से राहत पाएं
एग्रो अर्श कल्याण कैप्सूल
20 सालों से भरोसेमंद औषधि
सभी मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध
HELPLINE NO. 8899 500 500

आयुष्मान कार्ड से कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाई: सूर्या मॉल के पास, फोन: 77228 80844, 0788 2294440
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, फोन: 93430 79151, 91313 99570
• कैंसर सर्जरी • कीमोथेरेपी • रेडियोथेरेपी
द्वारा अनुबंधित ESIC RAILWAY SECL CGHS TPA

दांतों को दीजिए आयुर्वेद की सुरक्षा
Dr. Juneja's दंतमणि® Ayurvedic Gum Care Medicine
Helpful in: मजबूत दांत, स्वस्थ मसूड़े, मुंह से दुर्गंध, दांतों का पीलापन
पुदीना इसके एंटीसेप्टिक गुण कीटाणुओं से दांतों की रक्षा करते है और ताजी सांस दिलाने में सहायक है।
माजूफल यह मसूड़ों को मजबूत बनाकर दांतों को स्वस्थ रखने में सहायक है।
बकुल यह सांसों की दुर्गंध को रोकता है और मसूड़ों को स्वस्थ रखने में सहायक है।
पीलू यह मसूड़ों की सूजन को कम करने में सहायक है।
अकरकरा यह मुख्य रूप से अल्सर, कैविटी, मसूड़ों में खून आना आदि समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक है।
नीम यह कीटाणुओं से लड़ने, मसूड़ों को मजबूत बनाने में सहायक है।
वज्रदंती दांतों की सूजन को कम करने में सहायक हैं।
बबूल इसके एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण दांतों की सुरक्षा कर उन्हें मजबूत बनाने में मददगार है।
www.dantmani.com • Available at all medical & general stores • 24x7 Helpline:: 8558802222
Chattisgarh S.S.: Nathani & Company (Raipur) : 7746032260, 9827170055, 9424232260, Ambikapur : 9826519475, 9826757348, Bhilai : 9826760275, 9425555911, Bilaspur : 7389903131, 8839685427, Chirmiri : 9826671787, Dhamtari : 9827172211, 9009944600, 8770089755, Durg : 9406203055, 9424108056, 9617079000, 9827904382, 9685363113 Jagdalpur : 9755788451, Korba : 9827194543, 9425228002, Mahasamund : 9926132600, Manindragarh : 9329667444, Naila : 9425223046, Pathalgaon : 9424183891, Raigarh : 9993117350, 9425572495, 9893452020, Raipur : 9424231884, 9893089300, 9926300031, 9329782098, 9993555438, 8823802020, 9669901600, 9977736766, Rajnand Gaon : 9479051000, 9907420754, Tilda : 9425517591, Saraipali : 9907930128, 9770111488

निःसंतान दंपतियों के लिए संतान सुख का सुनहरा मौका
आपके शहर में वरिष्ठ निःसंतानता विशेषज्ञ
डॉ. प्रज्ञा सूर्यवंशी MBBS,MD (Obs&Gynae) वरिष्ठ निःसंतानता विशेषज्ञ
वरिष्ठ नि-संतानता एवं महिला रोग विशेषज्ञ
➜आई.यू.आई. (Intra uterine insemination)
➜आई.वी.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी गर्भाधान)
पूर्व रजिस्ट्रेशन संपर्क:- 0771-2285999, 8839800123
CSEB,CISF,CRPF,CGHS,ESIC एवं आयुष्मान भारत से मान्यता प्राप्त
एस. एम.सी. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ZEE Da´ZEAGRA पावर टैबलेट्स
केवल पुरुषों के लिए
www.wellncare.com, 9896134500
हर प्रमुख दवा विक्रेता के यहां उपलब्ध
खरीदारी के लिए कोड स्कैन करें

डिंपल्स कॉस्मेटिक सर्जरी द्वारा गालों में स्थायी डिंपल्स
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉल: 9827143060/8871003060

कब्ज का काल
कब्ज नाल
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध
एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob.: 93032-42200

TRUE VALUE MARUTI SUZUKI
भरोसे की सच्ची मिसाल!
TRUE VALUE के साथ जुड़ चुके है 50 लाख हैप्पी कस्टमर्स.
CELEBRATING 50 LAKH HAPPY FAMILIES
*T & C apply.
अपनी कार बेचने/खरीदनें के लिए स्कैन करें
376 क्वालिटी चेक पॉइंट्स
वेरिफाइड कार हिस्ट्री
1 साल तक की वारंटी और 3 फ्री सर्विस*
छवियों का इस्तेमाल केवल उदाहरण मात्र है
पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com
TRUE VALUE CERTIFIED
RAIPUR: AVANTI VIHAR: SKY AUTOMOBILES: 9584465304, 9111107029 | MAHOBA BAZAR, G.E. ROAD: SKY AUTOMOBILE: 8889996586, 8889998611, 8889998605 | BHILAI: POWER HOUSE, G.E. ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 9926003332, 9179424485, 7089688410 | DURG BYPASS: CHOUHAN AUTOMOBILES: 7222910050, 7222910005, 7222910057 | DURG: PULGAON CHOWK: SPARSH AUTOMOBILES: 9179424485; | JAGDALPUR: SKY AUTOMOBILES: 6260288613, 8889998641 | BHATAGAON: HDN MOTORS: 7909800009. SARONA: VISHWABHARTI AUTOMOBILES: 6262620109, 6262620093 | DUMERTARAI, DHAMTARI ROAD: SPARSH AUTOMOBILES: 8120001958, 9111011381.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com